▸▸ वर्ष : 34 ▸▸ अंक : 349 ▸▸ मुंबई, बुधवार, 25 फरवरी 2026 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल ▸▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

- ऑर्केस्ट्रा की आड़ में अश्लीलता परोसी तो लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द होगा
- ड्रग्स पहुंचाया तो कूरियर कंपनी का मालिक भी जेल जाएगा
- चैरिटेबल अस्पतालों को आयुष्मान भारत और महात्मा फुले योजना के तहत गरीब मरीजों का इलाज अनिवार्य

बंद होंगे चोर दरवाजे

सरकार 2016 के 'अश्लील नृत्य निषेध अधिनियम' में बड़े बदलाव करने जा रही है। इसका मकसद उन कानूनी चोर-दरवाजों को बंद करना है, जिनका फायदा उठाकर ये बार चलते रहते थे। अब तक पुलिस कार्रवाई के बाद

बार फिर खुल जाते थे, लेकिन अब लाइसेंस निलंबित नहीं बल्कि रद्द (Cancel) होगा। बार में डांसरों पर अब करेंसी नोट नहीं उड़ाए जा सकेंगे। अगर किसी को टिप देनी है, तो वह सीधे खाने-पीने के बिल में ही जोड़नी होगी।

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

'एक्शन मोड' में फडणवीस सरकार

अमित बृज/धीरज सिंह । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र का दूसरा दिन काफी गहमागहमी भरा रहा। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान फडणवीस सरकार से कई तीखे सवाल पूछे गए, जिनका मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अन्य मंत्रियों ने विस्तार से जवाब दिया। विपक्ष द्वारा पूछे गए सवालों में राज्य में लापता होती महिलाओं से लेकर डिजिटल अरेस्ट तक के प्रश्न पूछे गए, किसानों की कर्जमाफी और आर्केस्ट्रा बार के नियमों की धज्जियां उड़ाने के विषय में भी सवाल किया गया, जिसका जवाब सरकार की तरफ से दिया गया है।

'डांस बार' पर फडणवीस का फुल एंड फाइनल प्रहार

ऑर्केस्ट्रा बार का लाइसेंस लेकर डांस बार चलाने वाले संचालकों की अब रातों की नींद उड़ने वाली है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में ऐलान किया है कि सरकार 'शून्य सहिष्णुता' की नीति अपनाते हुए ऐसे बारों को हमेशा के लिए ताला लगाने की तैयारी में है।

पनवेल के बारों पर 'दोबारा' जांच

शिवसेना (UBT) विधायक भास्कर जाधव ने जब हाईवे के किनारे पनवेल में चल रहे अवैध बारों का मुद्दा उठाया, तो सीएम ने भरोसा दिलाया कि पुलिस इन पर फिर से शिकंजा कसेगी। वहीं, गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने बताया कि पुणे की मसाल तहसील में भी नियमों का उल्लंघन करने वाले तीन ऑर्केस्ट्रा बार पर पहले ही मुकदमा ठोक दिया गया है।

अवैध बारों के खिलाफ सरकार का 'ब्लूप्रिंट'

अवैध बारों पर लगाम कसने के लिए सरकार ने नया 'ब्लूप्रिंट' तैयार किया है, जिसके तहत नियमों में बड़ा बदलाव प्रस्तावित है। अब तक जहां गड़बड़ी पाए जाने पर लाइसेंस केवल अस्थायी रूप से निलंबित किया जाता था, वहीं नए प्रावधानों में इसे स्थायी रूप से रद्द (कैंसिल) करने की व्यवस्था की जाएगी। पहले टिप्स या बख्शीश के नाम पर खुलेआम नोट उड़ाना आम बात थी, लेकिन अब इसे सीधे बिल में जोड़कर देना अनिवार्य होगा। जांच के तौर-तरीकों में भी बदलाव किया जा रहा है—जहां पहले सामान्य रेड (छापा) डालकर कार्रवाई होती थी, अब नियमों के कड़े पालन को लेकर री-इन्वेस्टिगेशन यानी दोबारा गहन जांच की जाएगी, ताकि अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

ड्रग्स माफियाओं पर 'मकोका' का हंटर

'कूरियर' से ड्रग्स भेजा तो कंपनी भी फंसेगी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र को नशामुक्त बनाने के लिए गृह मंत्री और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'आर-पार' की जंग छेड़ दी है। विधानसभा में उन्होंने साफ कर दिया कि ड्रग्स का धंधा करने वालों को अब साधारण अपराधी नहीं, बल्कि आतंकियों और संगठित गिरोहों की तरह ट्रीट किया जाएगा। सरकार ने ड्रग्स के अपराधों को मकोका के दायरे में डाल दिया है। इसका सीधा मतलब है कि पुलिस अब ड्रग्स के बड़े सरगनाओं की जायदाद जब्त कर सकेगी।

कूरियर कंपनियों और पुलिस को चेतावनी

अगर किसी कूरियर कंपनी के जरिए ड्रग्स की डिलीवरी हुई, तो अब कंपनी यह कहकर पल्ला नहीं झाड़ पाएगी कि रहमें नहीं पता थार। उन्हें भी सह-आरोपी माना जाएगा। फडणवीस ने दो टूक कहा है कि अगर कोई पुलिसवाला ड्रग्स के खेल में शामिल मिला, तो उसे सिर्फ सस्पेंड नहीं बल्कि सीधे नौकरी से बर्खास्त किया जाएगा।

सोशल मीडिया पर 'डिजिटल' पहरा

मुख्यमंत्री ने खुलासा किया कि अब इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म ड्रग्स बेचने के अड्डे बन रहे हैं। सरकार ऐसी ऑनलाइन गतिविधियों पर 'बाज की नज़र' रख रही है। इसके लिए एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स की इकाइयां पूरे राज्य में सक्रिय हो चुकी हैं।

दो साल में लापता हुईं 93,940 महिलाएं

67,458 को पुलिस ने ढूंढ़ा, 26,482 महिलाएं अभी भी लापता

महाराष्ट्र सरकार ने विधानसभा में पेश रिपोर्ट के जरिए बताया कि वर्ष 2024 और 2025 के दौरान राज्य में कुल 93,940 वयस्क महिलाएं लापता हुईं। इनमें से पुलिस ने 67,458 महिलाओं को बरामद कर लिया है, जबकि 26,482 महिलाएं अभी भी लापता हैं। सरकारी ब्यौरे के अनुसार, इसी अवधि (2024-25) में कुल गुमशुदा महिलाओं के साथ 23,429 नाबालिग लड़कियों (18 वर्ष से कम आयु) के लापता होने की सूचना दर्ज की गई। इनमें से 18,770 लड़कियों को उनके परिवारों से मिलाने में सफलता मिली, जबकि 4,659 लड़कियां अब भी लापता हैं। यानी लगभग 73.5 प्रतिशत मामलों में सफलता मिली है। अकेले मुंबई में 4,515 नाबालिगों की गुमशुदगी दर्ज हुई, जिनमें से 4,455 (98.6%) का पता लगा लिया गया। नागपुर में दो वर्षों में 3,432 महिलाओं और 723 लड़कियों को ढूंढा गया। वहीं रायगढ़ जिले में पुलिस का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा। वर्ष 2024 में जिले की पुलिस ने शत-प्रतिशत सफलता हासिल करते हुए सभी 102 लापता लड़कियों को ढूंढ़ निकाला।

'ऑपरेशन मुस्कान' का योगदान

सरकार ने बताया कि लापता बच्चों की बरामदगी के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन मुस्कान' के 13 चरणों में 41,193 बच्चों को बरामद किया गया। फिलहाल 14वां चरण जारी है, जिसमें 1,401 बच्चों (947 लड़कियां) को अब तक बरामद किया जा चुका है।

चैरिटेबल अस्पतालों पर सरकार का शिकंजा

अक्सर देखा जाता है कि मुंबई और महाराष्ट्र के बड़े चैरिटेबल अस्पताल 'धर्मादाय' के नाम पर सरकार से जमीन और टैक्स में भारी छूट तो ले लेते हैं, लेकिन जब गरीब मरीज इलाज के लिए पहुँचता है, तो उसे बेड खाली न होने का बहाना बनाकर लौटा दिया जाता है। अब ऐसे अस्पतालों पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'सर्जिकल स्ट्राइक' की तैयारी कर ली है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में ऐलान किया कि राज्य के सभी 479 चैरिटेबल अस्पतालों को 'आयुष्मान भारत' और 'महात्मा फुले जन आरोग्य योजना' लागू करना ही होगा। फिलहाल स्थिति यह है कि 479 में से केवल 134 अस्पताल ही इन योजनाओं के तहत गरीबों का इलाज कर रहे हैं। बाकी अस्पताल इसे टाल रहे थे, जिन्हें अब कानूनी शिकंजे में लिया जाएगा।

कानून में होगा बड़ा बदलाव

सरकार इसी बजट सत्र में एक नया बिल (विधेयक) ला रही है। इसका मकसद उन अस्पतालों को पकड़ना है जो गरीब मरीजों के लिए रिजर्व फंड (2%) का इस्तेमाल नहीं करते। झूठे बिल दिखाकर सरकार की आंखों में धूल झोंकते हैं। चैरिटी फंड का पैसा पारदर्शी तरीके से खर्च नहीं करते। अब अस्पताल यह नहीं कह पाएंगे कि रबेड खाली नहीं हैर। हर चैरिटेबल अस्पताल को अपने रिजर्व बेड की जानकारी सरकारी डैशबोर्ड (Online Portal) पर देनी होगी। साथ ही, मरीजों की मदद के लिए हर अस्पताल में एक 'आरोग्य दूत' तैनात रहेगा जो यह पक्का करेगा कि गरीब मरीज को धक्के न खाने पड़ें।

ब्रीफ न्यूज़

लोकसभा अध्यक्ष ने पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप्स बनाए

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने वैश्विक मंच पर भारत की लोकतांत्रिक आवाज को बुलंद करने और द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के उद्देश्य से 64 देशों के साथ पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप्स (PFG) का गठन किया है। प्रधानमंत्री मोदी के विजन और 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता से प्रेरित इन समूहों में लोकसभा और राज्यसभा के कुल 704 सांसद शामिल किए गए हैं, जहाँ प्रत्येक ग्रुप में एक लीडर और 10 सदस्य तैनात हैं। राजनीतिक प्रतिनिधित्व की बात करें तो भाजपा के पास सर्वाधिक 30 ग्रुप लीडर पद हैं, जिनमें हेमा मालिनी और मनोज तिवारी जैसे नाम शामिल हैं, जबकि कांग्रेस के 10 (शशि थरूर समेत), सपा, DMK व TMC के 3-3 सांसदों को नेतृत्व दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि विपक्षी नेताओं जैसे अभिषेक बनर्जी और असदुद्दीन ओवैसी को भी ग्रुप लीडर की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो विभिन्न देशों के साथ संसदीय संवाद और कूटनीति को नई दिशा देने का काम करेंगे।

8वीं के छात्र अब पढ़ेंगे न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और केस पेंडेंसी

नई दिल्ली। नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (NCERT) ने कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की नई पाठ्यपुस्तक में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़कर न्यायिक प्रणाली की चुनौतियों को उजागर किया है। अब छात्र 'हमारे समाज में ज्यूडिशियरी की भूमिका' नामक चैप्टर में पहली बार न्यायपालिका में भ्रष्टाचार (Corruption) और लंबित मामलों के गंभीर संकट के बारे में पढ़ेंगे। पुस्तक में देश की अदालतों की वास्तविक स्थिति बताते हुए डेटा साझा किया गया है, जिसके अनुसार सुप्रीम कोर्ट में 81 हजार, हाईकोर्ट्स में 62 लाख 40 हजार, और जिला व अधीनस्थ न्यायालयों में 4 करोड़ 70 लाख केस लंबित हैं। यह पिछले संस्करणों से एक बड़ा बदलाव है, जहाँ पहले केवल अदालती ढांचे और उनकी भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया जाता था, वहीं अब नई पीढ़ी को न्यायिक प्रणाली के सामने मौजूद वास्तविक चुनौतियों जैसे भ्रष्टाचार और केस बैकलॉग से रूबरू कराया जा रहा है।

प्रदूषण पर पंकजा मुंडे का 'एक्शन'

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मायानगरी की हवा को जहरीली होने से बचाने के लिए राज्य सरकार ने बिल्डरों और ठेकेदारों पर नकेल कसना शुरू कर दिया है। पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे ने विधानसभा में साफ कर दिया कि जो प्रोजेक्ट नियमों को ताक पर रखकर शहर में धूल उड़ाएंगे, उन्हें अपनी दुकान बंद करनी होगी।

1000 से ज्यादा कंस्ट्रक्शन साइट्स को काम रोकने का नोटिस जारी

प्रदूषण के खिलाफ 'एक्शन' रिपोर्ट

- कारण बताओ नोटिस : 1,981
- काम रोकने के आदेश : 1,047
- सेंसर लगी साइटें : 1,952
- सड़कों की धुलाई : 14,408 किमी
- वसूला गया जुर्माना : 1,21,000+

सड़कों की धुलाई और उड़नदस्ते

धूल के कणों को जमीन पर बिठाने के लिए प्रशासन ने 'वॉटर कैनन' और टैंकरों की फौज उतार दी है। 25 मिस्टिंग मशीनों और 126 टैंकरों से अब तक 14,408 किलोमीटर लंबी सड़कों को धोया जा चुका है। अवैध मलबा (Debris): बीएमसी के 25 उड़नदस्तों ने अवैध तरीके से मलबा ढोने वालों को पकड़कर 1.21 लाख रुपये से ज्यादा का जुर्माना वसूला है।

सेहत पर क्या बोले मंत्री?

विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए पंकजा मुंडे ने कहा कि मुंबई का AQI फिलहाल 'संतोषजनक' और 'मध्यम' श्रेणी में है। उन्होंने नगर निकायों की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि फिलहाल शहर में प्रदूषण की वजह से कोई स्वास्थ्य संकट जैसी स्थिति नहीं है और बुजुर्गों व बच्चों पर कोई गंभीर बुरा असर नहीं देखा गया है।

1000 से ज्यादा साइटों पर 'ताला'

सरकार के 'क्लीन एयर अभियान' के तहत अक्टूबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई। कारण बताओ नोटिस: नियमों के उल्लंघन पर 1,981 साइटों को नोटिस जारी किए गए। चेतावनी के बावजूद न सुधरने वाली 1,047 साइटों का काम तुरंत रुकवा दिया गया। 1,952 साइटों पर 'एयर क्वालिटी सेंसर' लग चुके हैं। जिन 678 प्रोजेक्ट्स ने सेंसर लगाने में आनाकानी की, उन्हें 16 जनवरी को ही काम बंद करने का आदेश दे दिया गया।

महाराष्ट्र सरकार ने पेश की 11,995 करोड़ की अनुपूरक मांग

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन 11,995.33 करोड़ रुपये की अनुपूरक मांगें पेश की हैं, जिसका सबसे बड़ा हिस्सा ऊर्जा, श्रम, उद्योग और खनन क्षेत्रों (4,066 करोड़ रुपये) के विकास के लिए प्रस्तावित है। इस वित्तीय योजना के तहत राजस्व मद में 5,748.10 करोड़ रुपये और पूंजीगत मद में 6,003.79 करोड़ रुपये का खर्च निर्धारित किया गया है, जिसमें विशेष रूप से बिजली क्षेत्र के लिए 3,262 करोड़ रुपये और ग्राम एवं लघु उद्योगों के लिए 803 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। अन्य प्रमुख आवंटनों में जलापूर्ति एवं स्वच्छता के लिए 1,431 करोड़ रुपये, राजस्व एवं वन विभाग के लिए 132 करोड़ रुपये, राज्य योजना विभाग हेतु 80 करोड़ रुपये, चिकित्सा शिक्षा के लिए 31.43 करोड़ रुपये, और ओबीसी कल्याण विभाग के लिए 23.64 करोड़ रुपये की मांग शामिल है।

लालफीताशाही की लेटलतीफी

विधायक बनकर पूछा, मुख्यमंत्री बन गए पर जवाब नहीं आया

▸▸ नौकरशाही की उदासीनता पर महाराष्ट्र के सीएम फडणवीस ने सुनाया किस्सा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा में उस वक्त हंसी के ठहाके गूंज उठे जब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नौकरशाही की 'सुस्ती' का कच्चा-चिट्ठा खोला। मौका था विधायकों के पत्रों पर अधिकारियों द्वारा कुंडली मार कर बैठने का। चर्चा में सीएम ने बताया कि फाइलों के सरकारी दफ्तरों में घूमने की रफ़्तार कितनी 'धीमी' हो सकती है।मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि उन्होंने साल 2009 में जब वह एक विधायक थे, तब किसी मुद्दे पर एक सवाल पूछा था। वक्त का चक्का घूमता रहा, फडणवीस पहले मुख्यमंत्री बने और फिर विपक्ष के

नेता भी बन गए। आखिरकार उस सवाल का जवाब कब आया? साल 2021 में! यानी पूरे 12 साल बाद जब मुद्दे की अहमियत ही खत्म हो चुकी थी।

मुनगंटीवार का 'दर्द' और विपक्ष का 'साथ'

इससे पहले भाजपा के दिग्गज नेता सुधीर मुनगंटीवार ने भी अपना दुखड़ा रोया। उन्होंने बताया कि खुद मुख्य सचिव (Chief Secretary) तक विधायकों की चिट्ठियों को तवज्जो नहीं देते। उन्हें एक पत्र का जवाब 4 साल बाद मिला। इस मुद्दे पर सत्तापक्ष और विपक्ष (कांग्रेस के विजय वडेट्टीवार) एक सुर में नजर आए और मांग की कि लापरवाह अधिकारियों पर नकेल कसने के लिए कड़ा कानून बनाया जाए।

अब 'डिजिटल हंटर' चलाएंगे स्पीकर

विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेते हुए एक बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि अब 'डिजिटल प्लेटफॉर्म' के जरिए इस पूरी व्यवस्था को पारदर्शी बनाया जाएगा। हर चिट्ठी और सवाल का रिकॉर्ड ऑनलाइन होगा। जवाब देने की डेडलाइन तय होगी। अगर देरी हुई, तो सिस्टम में साफ दिख जाएगा कि कौन सा अधिकारी फाइल दबाकर बैठा है।

साक्षात्कार

क्यों लेट होती है मुंबई लोकल

कहते हैं कि मुंबई लोकल केवल एक ट्रेन नहीं, मुंबई की 'लाइफलाइन' है। यहाँ की भागदौड़ भरी जिंदगी को यह सरल बनाती है। रोज 80 लाख से ज्यादा लोग इससे अपना दिन शुरू करते हैं। यहाँ एक-एक मिनट का मोल है; यदि 10 मिनट भी लोकल लेट हो जाए, तो लाखों लोगों का शेड्यूल ताश के पत्तों की तरह बिखर जाता है। आज हम उपभोक्तावाद और भागदौड़ के इस युग में, व्यवस्था की चुनौतियों को समझने के लिए डीबीडी के संपादक अरुणलाल ने सेंट्रल रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल निला से मुलाकात कर तीखे सवाल पूछे।

Q सबसे बुनियादी सवाल -आखिर मुंबई लोकल लेट क्यों होती है?

यह बहुत जटिल और बहुआयामी प्रश्न है। दरअसल, हमें यह समझना होगा कि मध्य रेलवे आज अपनी क्षमता से कहीं ज्यादा गड़िया चला रही है। हम प्रतिदिन 1820 लोकल ट्रेनें और 200 से ज्यादा मेल-एक्सप्रेस गाड़ियां चला रहे हैं। पीक ऑवर्स में एक ही समय पर 140 से ज्यादा ट्रेनें ट्रैक पर दौड़ रही होती हैं। दिक्कत तब आती है जब 120 किलोमीटर लंबे कसारा या खोपोली जैसे रूट पर कोई एक छोटी-सी बाधा आती है। उदाहरण के लिए, दीवा का एलसी गेट (LC Gate)। यह गेट दिन में कई बार खुलता है और जब यह खुलता है, तो छह के छह ट्रैक ठप हो जाते हैं। 180% की ट्रैफिक डेंसिटी (Traffic Density) होने के कारण हमारे पास 'ब्रीथिंग स्पेस' यानी संभलने का समय ही नहीं बचता। एक ट्रेन लेट होती है, तो उसका 'कैस्केडिंग इफेक्ट' पीछे आने वाली सभी ट्रेनों पर पड़ता है।

Q मध्य रेलवे में लगभग 90 हजार कर्मचारी हैं, फिर भी सिस्टम चुस्त क्यों नहीं दिखता है? क्या मेंटेनेंस और परिचालन में तालमेल की कमी है?

यह 'ओवर-यूटिलाइजेशन' का संघर्ष है। सबसे ज्यादा लोकल ट्रेन मुंबई डिवीजन चलाता है, जिसमें लगभग 40 हजार कर्मचारी तैनात हैं, जिनमें से करीब 20 हजार सीधे तौर पर ट्रेनों के संचालन से जुड़े हैं। आपको बड़ी जिम्मेदारी से बता सकता हूं कि 60 लाख से अधिक लोगों की सुरक्षित व सुविधाजनक यात्रा के लिए ये हजारों कर्मचारी पूरी तन्मयता से जुटे रहते हैं। मेंटेनेंस की चुनौती यह है कि जिस ट्रैक पर दिन भर में 100 ट्रेनें गुजरनी चाहिए, वहां हम 184 ट्रेनें गुजार रहे हैं।

Q इस ओवर-यूटिलाइजेशन से बचने के लिए आप क्या कर रहे हैं...?

हम ऑटोमेटिक सिग्नलिंग और 17 हजार करोड़ के नए प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। 34 स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म की लंबाई बढ़ायी जा रही हैं ताकि 15 कोच की गाड़ियां अधिक चल सकें। हम तकनीक तो बदल रहे हैं, पर जब तक यात्रियों की संख्या और उपलब्ध संसाधनों के बीच का यह भारी अंतर कम नहीं होगा, तब तक तंत्र पर दबाव बना रहेगा।

Q आपकी क्षमता 25 लाख यात्रियों की है और आप ढो रहे हैं 60 लाख! क्या यह सिस्टम का फेलियर नहीं है? लोग मेट्रो की बजाय आज भी लोकल की भीड़ में पिसना क्यों चुनते हैं?

इसे केवल फेलियर कहना उचित नहीं होगा, बल्कि यह हमारी भौगोलिक और आर्थिक मजबूरी भी है। रेलवे इकलौता ऐसा साधन है जो नासिक, पुणे और खोपोली जैसी जगहों से यात्रियों को मुंबई के करीब लाता है। साथ मे ही 120 किलोमीटर से अधिक दूरी रहने वाले लोगों को प्रतिदिन अपने काम पे लाने और अपने घर वापस जाने मे सहायता करती है। मेट्रो का विस्तार हो रहा है, लेकिन आज भी एक बड़ी आबादी 'लोअर मिडिल क्लास' की है जिसके लिए लोकल का किराया बजेट मे है। जब तक मेट्रो, बसें और वाटर-टैक्सी जैसी आधुनिक तकनीक मिलकर एक 'इंटीग्रेटेड पब्लिक ट्रांसपोर्ट' के रूप में लोकल का बोझ साझा नहीं करेंगे, तब तक यह दबाव बना रहेगा।

Q जब कोई फेलियर होता है, तो लोग शिकायत करते हैं कि रेलवे सुस्त है। एक ट्रेन को दोबारा पटरी पर लाने के पीछे कितनी मेहनत और जान का जोखिम होता है?

लोग अक्सर 10 मिनट की देरी देखते हैं, पर उस 10 मिनट में जो युद्ध स्तर पर काम होता है, वह पर्दे के पीछे रह जाता है। फेलियर होते ही 1 मिनट के भीतर कंट्रोल रूम को सूचना मिलती है। अगले 3 मिनट में संबंधित विभाग (सिग्नल, इंजीनियरिंग या मैकेनिकल) के निहित व्यक्ति को अलर्ट भेजा जाता है। उसे अगले 7-8 मिनट में मौके पर पहुंचना होता है। कई बार हमारे कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर पटरी-पटरी पैदल चलकर या विपरीत दिशा से आने वाली ट्रेन में चढ़कर वहां पहुंचते हैं। कल्याण जैसे मध्यवर्ती ठिकानों पर हमारी टीमें चौबीसों घंटे तैनात रहती हैं ताकि कम से कम समय में रिस्पांस दिया जा सके। स्वप्निल निला की बातों से स्पष्ट है कि मुंबई लोकल केवल तकनीक से नहीं, बल्कि हजारों कर्मचारियों के 'श्रम और साधना' से चल रही है। जहां व्यवस्था अपनी क्षमता से 180% ज्यादा काम कर रही हो, वहां केवल आलोचना पर्याप्त नहीं है। राष्ट्र निर्माण तब होगा जब हम संसाधनों के इस दबाव को समझेंगे और 'परमार्थ' की भावना से सार्वजनिक संपदा का सम्मान करेंगे। आखिर यह लाइफलाइन हमारी है, और इसे सुचारू रखना सरकार और नागरिक, दोनों का साझा संकल्प होना चाहिए।

भाजपा के खिलाफ शिवसेना का आंदोलन

60% कर वृद्धि के विरोध में सांकेतिक प्रदर्शन

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा-भाईंदर में प्रॉपर्टी और रेंटल टैक्स में 60 से 66 प्रतिशत तक की वृद्धि के विरोध में शिवसेना (शिंदे गुट) की शहर इकाई ने सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी और मीरा-भाईंदर महानगरपालिका के खिलाफ सांकेतिक 'भीख मांगो आंदोलन' किया। शिवसैनिकों ने आरोप लगाया कि बहुमत के दम पर करों में की गई यह वृद्धि जनविरोधी है और इसे तुरंत वापस लिया जाना चाहिए।

महानगरपालिका मुख्यालय के सामने शुरू हुआ प्रदर्शन उस समय उग्र हो गया जब शिवसैनिक दूसरी मंजिल पर स्थित आयुक्त और महापौर कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। महापौर और उपमहापौर की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताते हुए शिवसेना के शिष्टमंडल ने जिलाप्रमुख राजू भोईर के नेतृत्व में अतिरिक्त कर वृद्धि रद्द करने की मांग का ज्ञापन आयुक्त राधाबिनोद शर्मा को सौंपा। आयुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को सकारात्मक आश्वासन दिया।

आंदोलन का नाम 'भीख मांगो' रखा गया, लेकिन यह केवल प्रतीकात्मक प्रदर्शन रहा। उपजिलाप्रमुख ने चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो अगले चरण में शिवसैनिक घर-घर जाकर भीख मांगेंगे और एकत्रित राशि मनपा को सौंपेंगे।

जनता पर बढ़ता कर बोझ

जिलाप्रमुख राजू भोईर ने कहा कि संपत्ति और रेंटल टैक्स के अलावा पानी, अग्निसुरक्षा, सीवरेज, शिक्षण और वृक्ष कर जैसे विभिन्न टैक्स पहले ही जनता पर भारी हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब इतने कर वसूले जा रहे हैं तो नागरिक सुविधाएं क्यों नहीं मिल रहीं? गड्ढामुक्त सड़कें और नियमित पेयजल आपूर्ति अब भी सपना क्यों हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल का ध्यान केवल निविदाओं पर है, न कि जनसुविधाओं पर।

'टैक्स रूपी अजगर' का आरोप

उपजिलाप्रमुख रामभुवन शर्मा ने कहा कि यह कर वृद्धि मध्यम वर्ग को आर्थिक रूप से कमजोर करने की साजिश है। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि मनपा के पास धन की कमी है तो सरकार से विशेष निधि लाई जानी चाहिए। शर्मा ने यह भी आरोप लगाया कि कर वृद्धि केवल नई प्रॉपर्टी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि भविष्य में पुनर्निर्मित इमारतों पर भी लागू होगी, जिससे आम लोगों का घर का सपना प्रभावित होगा।

भाजपा का पलटवार

वहीं विधायक नरेंद्र मेहता और महापौर डिंपल मेहता ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी सरकार नागरिकों की आर्थिक सुरक्षा और समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा नेतृत्व ने नागरिकों से अपील की कि वे विपक्ष के कथित भ्रामक प्रचार पर ध्यान न दें। उनका कहना है कि मनपा का उद्देश्य शहर का समग्र विकास करना है, न कि जनता पर अनावश्यक बोझ डालना।

अब बसों में लगेंगे 'ब्रेक एनालाइज़र'

सड़क सुरक्षा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में बढ़ते सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार ने परिवहन व्यवस्था में बड़े बदलावों की घोषणा की है। विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुए परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने निजी स्लीपर कोच बसों और समृद्धि महामार्ग पर होने वाली दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की।

मंत्री ने पिछले वर्षों के भयावह हादसों का हवाला देते हुए बताया कि कई मामलों में चालकों की लापरवाही और नशे की स्थिति जानलेवा साबित हुई है। इन स्थितियों को रोकने के लिए अब तकनीक और कड़े नियमों का सहारा लिया जाएगा।

परिवहन विभाग अब बसों में 'ब्रेक एनालाइज़र' प्रणाली अनिवार्य करने जा रहा है।

लगभग डेढ़ लाख रुपए की लागत वाली यह अत्याधुनिक तकनीक चालक के शराब के प्रभाव में होने पर बस को स्टार्ट ही नहीं होने देगी। इसके अलावा, सभी बसों के लिए 80 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति सीमा (स्पीडोमीटर) तय कर दी गई है। यह व्यवस्था महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडल (MSRTC) की बसों के साथ-साथ टाटा मोटर्स और अशोक लेलैंड जैसी कंपनियों की नई बसों में भी लागू की जाएगी, ताकि मानवीय भूलों के कारण होने वाले हादसों को न्यूनतम किया जा सके।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर गिरेगी गाज

मंत्री सरनाईक ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार के नए मोटर वाहन नियमों के तहत अब नियमों का बार-बार उल्लंघन करने वाले चालकों को बख्शा नहीं जाएगा। नए प्रावधानों के अनुसार, यदि कोई चालक एक वर्ष में पांच या उससे अधिक बार ट्रैफिक नियम तोड़ता है, तो उसका ड्राइविंग लाइसेंस तीन माह के लिए निलंबित कर दिया जाएगा। सरकार का अंतिम लक्ष्य राज्य में सड़क हादसों की संख्या को 'शून्य' तक लाना है, जिसके लिए तकनीकी अपग्रेडेशन और सख्त कानूनी कार्रवाई दोनों पर एक साथ काम किया जा रहा है।

बुनियादी ढांचे में सुधार और व्यापक सुरक्षा खाका

सड़क सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए सरकार केवल वाहनों ही नहीं, बल्कि सड़कों के बुनियादी ढांचे पर भी ध्यान दे रही है। राष्ट्रीय राजमार्गों, पीडब्ल्यूडी सड़कों और नगरपालिका क्षेत्रों में रिफ्लेक्टर, एरो मार्किंग, दिशा संकेत बोर्ड और दूरी दर्शाने वाले बोर्ड लगाने की योजना तैयार की गई है। राज्यभर में रणनीतिक स्थानों पर चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं और अधिकारियों की तैनाती की गई है ताकि नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की सघन जांच की जा सके। विशेष रूप से समृद्धि महामार्ग जैसे हाई-स्पीड कॉरिडोर पर सुरक्षा मानकों को और कड़ा किया जा रहा है।

डंपर की टक्कर से 25 वर्षीय युवक की मौत

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

कल्याण-मुरबाड मार्ग पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें 25 वर्षीय एक युवक की जान चली गई। इस घटना ने क्षेत्र में भारी वाहनों की अनियंत्रित आवाजाही और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह हादसा सुबह करीब 9:30 से 10:00 बजे के बीच म्हारल पाडा के पास हुआ। बता दें कि इस इलाके में स्थित खदानों से कंक्रीट और पत्थरों की ढुलाई के लिए भारी डंपरों का लगातार आवागमन होता रहता है। मृतक की पहचान वैभव साहेबराव भामरे (25) के रूप में हुई है, जो मालेगांव का निवासी

था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक तेज रफ्तार डंपर के चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और वैभव को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैभव ने मौके पर ही दम तोड़ दिया और चिकित्सा सहायता मिलने से पहले ही उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुँचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश और सुरक्षा पर सवाल

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। निवासियों का आरोप है कि चल रहे विकास कार्यों के कारण यह सड़क पहले से ही संकरी और भीड़भाड़ वाली है। खदानों से सामग्री ले जाने वाले भारी डंपर अक्सर तेज रफ्तार और लापरवाही से चलते हैं, लेकिन यातायात विभाग या प्रशासन द्वारा उनकी निगरानी या सख्त कार्रवाई नहीं की जा रही है। लोगों ने दावा किया कि प्रशासन की अनदेखी की वजह से यह मार्ग अब 'डेथ ट्रैप' बनता जा रहा है। उत्तेजित भीड़ ने मौके पर ही डंपर चालक को पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। इस घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने जमकर प्रदर्शन किया और भारी वाहनों के समय को विनियमित करने व सड़क सुरक्षा में सुधार की मांग की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को शांत कराया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही डंपरों की रफ्तार और उनके चलने के समय पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

आयुक्त ने उल्हासनगर में लंबित विकास कार्यों का किया निरीक्षण

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर मनपा आयुक्त श्रीमती मनीषा अव्हाले ने शहर के प्रभाग क्रमांक-15 में जारी विभिन्न विकास कार्यों का जनप्रतिनिधियों के साथ प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। इस दौरे के दौरान उन्होंने वाल्मीकि नगर स्थित समाज मंदिर, हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे खेल परिसर, और गीता कॉलोनी सहित श्रीराम नगर से सतरामदास अस्पताल तक की सड़कों का जायजा लिया। आयुक्त ने कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को पाइपलाइन, उद्यान और सड़क निर्माण जैसे लंबित प्रोजेक्ट्स को युद्धस्तर पर पूरा करने के कड़े निर्देश दिए, ताकि स्थानीय निवासियों को जल्द राहत मिल सके।

गुणवत्ता से समझौते पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

निरीक्षण के दौरान शिवसेना गट नेता अरुण आशान और अन्य नगरसेवकों की उपस्थिति में आयुक्त ने स्पष्ट किया कि नागरिकों की सुविधा के लिए निर्धारित समय सीमा के भीतर काम पूरा करना अनिवार्य है। उन्होंने चेतावनी दी कि विकास कार्यों में किसी भी तरह की देरी या गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों व अधिकारियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। सूर्या होटल से खडेगोलावली मंदिर तक की सड़क और पाइपलाइन बिछाने के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का आदेश देते हुए उन्होंने पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया।

पवार परिवार में नई 'पार्थ' पारी

पार्थ पवार राज्यसभा को तैयार, बीजेपी में भी मंथन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की सियासत में इन दिनों 'पवार परिवार' और 'महायुति' के भीतर भविष्य की बिसात बिछाई जा रही है। 28 जनवरी को एक विमान हादसे में अजित पवार के आकस्मिक निधन के बाद, अब पार्टी को संभालने और आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सुनेत्रा पवार और उनके बेटे पार्थ पवार के कंधों पर आ गई है।

सोमवार रात प्रफुल्ल पटेल के घर हुई बैठक में एनसीपी (अजित पवार गुट) ने बड़ा दांव खेला है। लोकसभा चुनाव की हार के बाद हाशिए पर चल रहे

पार्थ पवार को राज्यसभा भेजने का फैसला लिया गया है। यह फैसला सुनेत्रा पवार की उस रणनीति का हिस्सा है जिसमें वह पार्टी के युवा चेहरों को आगे बढ़ाना चाहती हैं।

सुनेत्रा पवार: एनसीपी की नई 'सुपरबॉस'

सुनेत्रा पवार पहले ही राज्य की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनकर इतिहास रच चुकी हैं। अब 26 फरवरी को वरली के 'डोम' में होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में उन्हें आधिकारिक रूप से पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया जाएगा। इस कदम के साथ ही अजित दादा की विरासत अब पूरी तरह सुनेत्रा ताई के हाथों में होगी।

राज्यसभा का समीकरण

महाराष्ट्र की 7 राज्यसभा सीटों के लिए होने वाले आगामी चुनाव में संख्या बल का गणित स्पष्ट रूप से महायुति (NDA) के पक्ष में झुकता नजर आ रहा है, जहाँ वह 6 सीटों पर अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर रही है। सीटों के इस बँटवारे में भाजपा के खाते में 4 सीटें, जबकि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की राकांपा को 1-1 सीट मिलने की संभावना है। भाजपा की ओर से विनोद तावड़े का नाम रेस में सबसे आगे है, वहीं विजया रहाटकर और रामदास आठवले (RPI-A) के नामों पर भी गंभीरता से विचार किया जा रहा है। दूसरी ओर, विपक्षी महाविकास आघाड़ी (MVA) के हिस्से में केवल 1 सीट आती दिख रही है, जिसके लिए शरद पवार की राकांपा या उद्धव ठाकरे की शिवसेना (UBT) के साझा उम्मीदवार पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

नो-हॉकर ज़ोन में अवैध वसूली का आरोप

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मिरा-भाईंदर शहर में घोषित नो-हॉकर ज़ोन क्षेत्रों में फेरीवालों से कथित रूप से अवैध शुल्क वसूली और अनधिकृत बैठकों को संरक्षण दिए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में भारतीय जनता पार्टी के नगरसेवक अधिवक्ता रवि व्यास ने मीरा-भाईंदर महानगरपालिका के आयुक्त राधाबिनोद शर्मा को औपचारिक शिकायत पत्र सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

कठोर कार्रवाई न होने पर अदालत की चेतावनी

रवि व्यास के अनुसार मिरा-भाईंदर के नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए प्रशासन से पारदर्शी और सख्त कार्रवाई अपेक्षित है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कठोर कदम नहीं उठाए गए तो जनहित में मनपा के संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाएगा।

ठेकेदार पर गंभीर आरोप

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि महानगरपालिका द्वारा नो-हॉकर ज़ोन घोषित क्षेत्रों में भी ठेकेदार और उसके प्रतिनिधि फेरीवालों से अवैध रूप से शुल्क वसूल रहे हैं तथा उन्हें अनधिकृत रूप से बैठने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। इससे यातायात बाधित हो रहा है, अतिक्रमण बढ़ रहा है और आम नागरिकों को असुविधा के साथ कानून-व्यवस्था संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अधिवक्ता व्यास ने इसे 'स्ट्रीट वेंडर्स अधिनियम, 2014' तथा महानगरपालिका के प्रचलित नियमों का उल्लंघन बताया है। उनका कहना है कि नो-हॉकर ज़ोन में किसी भी प्रकार की वसूली या व्यवसाय की अनुमति देना पूरी तरह अवैध है। प्रशासन द्वारा घोषित प्रतिबंधित क्षेत्र में नियमों की अनदेखी होना अत्यंत गंभीर विषय है।

प्रशासन से की गई प्रमुख मांगें

नगरसेवक रवि व्यास ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध तत्काल जांच के आदेश दिए जाएं और जांच पूरी होने तक नो-हॉकर ज़ोन में किसी भी प्रकार की शुल्क वसूली रोकी जाए। साथ ही संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच, अवैध रूप से बैठाए गए फेरीवालों को हटाकर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त करने तथा अधिकृत और नो-हॉकर ज़ोन की सूची सार्वजनिक करने की मांग भी की गई है।

पंजाब के दो ड्रग तस्कर गिरफ्तार

1.02 करोड़ के नशीले पदार्थ जब्त

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल (ANC) ने ड्रग्स के खिलाफ जारी अपने अभियान में एक और बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने पंजाब से ताल्लुक रखने वाले दो अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से 1.02 करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन और अफीम बरामद की गई है। इस कार्रवाई के साथ ही शहर में ड्रग्स के खिलाफ चल रही मुहिम में अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 33 हो गई है। पुलिस अब तक इन तस्करी नेटवर्कों के खिलाफ कुल छह मामले दर्ज कर चुकी है।

भारी मात्रा में हेरोइन, अफीम और पैकेजिंग सामग्री बरामद

तलाशी के दौरान पुलिस ने फ्लैट से 118 ग्राम हेरोइन बरामद की, जिसकी बाजार में कीमत 59 लाख रुपए आंकी गई है। इसके साथ ही 43.08 लाख रुपए मूल्य की 143.6 ग्राम अफीम भी जब्त की गई। नशीले पदार्थों के अलावा, पुलिस ने मौके से तीन इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीनें और 159 प्लास्टिक पाउच भी बरामद किए हैं, जिनका उपयोग कथित तौर पर ड्रग्स की पैकेजिंग और वितरण के लिए किया जाता था।

तलोजा में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी

पुलिस ने आरोपियों की पहचान 24 वर्षीय सुरिंदर गुरुजंत सिंह उर्फ कालू और 27 वर्षीय मनिंदर गुरुजंत सिंह के रूप में की है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पंजाब स्थित एक सिंडिकेट के सदस्य तलोजा इलाके से अपनी गतिविधियाँ चला रहे हैं। इसी जानकारी के आधार पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संदीप निगड़े के नेतृत्व में एक टीम ने 23 फरवरी को दोपहर करीब 12 बजे तलोजा के घोट कैंप स्थित महावीर मैजेस्टी बिल्डिंग के फ्लैट नंबर 102 में छापेमारी की, जहाँ से इन दोनों आरोपियों को दबोचा गया।

खाड़ी में जहरीला रसायन डालने की कोशिश नाकाम

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

मुंब्रा के रेतीबंदर खाड़ी क्षेत्र में स्थानीय युवाओं की सतर्कता से एक बड़ी पर्यावरणीय और स्वास्थ्य आपदा टल गई। युवाओं ने अवैध रूप से जहरीले रसायनों को खाड़ी में बहाने की कोशिश कर रहे एक टैंकर को रंगे हाथों पकड़ लिया। लगभग 22,000 लीटर विषैले रसायनों से भरा यह टैंकर देर रात खाड़ी में अपना कचरा खाली करने का प्रयास कर रहा था, जिसे जागरूक नागरिकों ने समय रहते

रोककर पुलिस को सूचित कर दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह टैंकर भिवंडी के वाडा इलाके से मुंब्रा आया था। जांचकर्ताओं के अनुसार, वाडा से मुंब्रा तक की दूरी तय करने में केवल ईंधन पर ही लगभग 7,000 का खर्च आता है। इतनी दूर आकर कचरा निस्तारण की कोशिश एक सोची-समझी साजिश की ओर इशारा करती है। स्थानीय कार्यकर्ताओं का आरोप है कि यदि यह रसायन समुद्र या खाड़ी में मिल जाता, तो इससे न केवल जलीय जीवन पूरी तरह नष्ट हो जाता, बल्कि मुंब्रा के लाखों निवासियों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर संकट खड़ा हो सकता था। मुंब्रा पुलिस ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुँचकर टैंकर को जब्त कर लिया है और इस मामले में एफआईआर (FIR) दर्ज की गई है।

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग मामला

तिहाड़ और आर्थर रोड जेल से रची गई पूरी साजिश

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच की जांच में सनसनीखेज खुलासे हुए हैं। जांच के अनुसार, इस हमले की साजिश देश की दो सबसे सुरक्षित जेलों—दिल्ली की तिहाड़ और मुंबई की आर्थर रोड जेल—के भीतर से रची और कोऑर्डिनेट की गई थी। पुलिस ने बताया कि इस पूरी वारदात के तार सीधे तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हैं, जिसमें हरियाणा और उत्तर प्रदेश के शूटरों का इस्तेमाल किया गया था।

पुलिस जांच में सामने आया है कि फायरिंग को अंजाम देने की मुख्य जिम्मेदारी 'आगरा मॉड्यूल' को सौंपी गई थी, जिसका नेतृत्व शूटर

दीपक चंद्रा कर रहा था। तिहाड़ जेल में बंद लॉरेंस गैंग के सदस्य गोलू पंडित ने इस मॉड्यूल का समन्वय किया था। गोलू ने ही शुभम लोनकर के कहने पर नए शूटरों की भर्ती की और उन्हें काम के बदले मोटी रकम का लालच दिया। चौंकाने वाली बात यह है कि मुख्य साजिशकर्ता गोलू पंडित गिरफ्तारी से ठीक पहले जमानत पर रिहा हो गया, जिसकी तलाश अब तेज कर दी गई है।

आर्थर रोड जेल से 'पुणे मॉड्यूल' का संचालन

वारदात के लिए हथियार और वाहन मुहैया कराने का काम 'पुणे मॉड्यूल' को दिया गया था, जिसे प्रवीण लोनकर हैंडल कर रहा था। प्रवीण फिलहाल मुंबई की आर्थर रोड जेल में बंद है और वह एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का भी आरोपी है। जेल की सलाखों के पीछे से ही प्रवीण ने हमले के लिए जरूरी लॉजिस्टिक्स की व्यवस्था की थी। इस खुलासे ने जेल सुरक्षा और वहां से संचालित हो रहे आपराधिक सिंडिकेट पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब आधे खर्च में पूरा होगा संतान का सपना

केईएम अस्पताल में गूँजेंगी 'किलकारियां'

केईएम अस्पताल में शुरू हुआ पहला हाई-टेक आईवीएफ सेंटर

लोकेश चंद्रा । मुंबई

उन परिवारों के लिए जो बढ़ती उम्र या चिकित्सा कारणों से संतान सुख से वंचित थे और महंगे प्राइवेट अस्पतालों का खर्च नहीं उठा सकते थे, उनके लिए परेल का केईएम अस्पताल एक 'नई उम्मीद' लेकर आया है। मंगलवार को अस्पताल में अत्याधुनिक 'मां आईवीएफ एक्सीलेंस सेंटर' का भव्य लोकार्पण किया गया। सबसे खास बात यह है कि यहाँ इलाज का खर्च निजी अस्पतालों के मुकाबले करीब 50 प्रतिशत कम होगा। स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर और महापौर रितु तावड़े ने इसका उद्घाटन करते हुए कहा कि अब पैसे की कमी किसी के 'पालक' (माता-पिता) बनने के सपने में रोड़ा नहीं बनेगी।

डॉ. मालपाणी का विशेष मार्गदर्शन

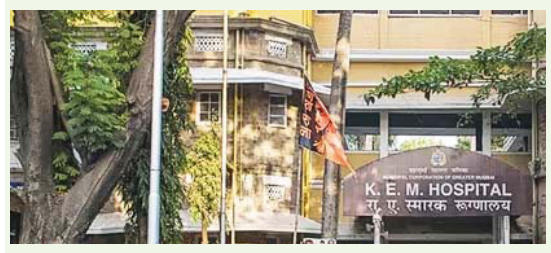

इस नेक पहल को सफल बनाने में प्रसिद्ध फर्टिलिटी विशेषज्ञों, डॉ. अंजली और डॉ. अनिरुद्ध मालपाणी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनकी देखरेख और मार्गदर्शन में यह सेंटर न केवल एक उपचार केंद्र, बल्कि रिसर्च का भी एक बड़ा केंद्र बनेगा। विशेषज्ञों की यह टीम जटिल मामलों को सुलझाने और नई प्रजनन तकनीकों पर काम करने के लिए अस्पताल के डॉक्टरों के साथ मिलकर काम करेगी। सरकार के व्यापक स्वास्थ्य दृष्टिकोण के तहत, यह केंद्र बीएमसी की 'हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड' नीति का एक हिस्सा है।

हाई-टेक सुविधाओं से लैस

यह नया केंद्र अपनी विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ किसी भी बड़े प्राइवेट क्लिनिक को कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार है। यहाँ मरीजों को एक ही छत के नीचे अत्याधुनिक भ्रूण लैब, हाई-एंड सोनोग्राफी, ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू और ओपीडी जैसी सभी जरूरी सुविधाएँ मिलेंगी। विशेष रूप से, डॉ. अंजली और डॉ. अनिरुद्ध मालपाणी जैसे विशेषज्ञों का मार्गदर्शन इस सेंटर को न केवल इलाज बल्कि रिसर्च (अनुसंधान) का भी एक प्रमुख केंद्र बनाएगा।

हजारों चेहरों पर आएगी मुस्कान

अस्पताल प्रशासन का अनुमान है कि इस सेंटर से हर साल 500 से 600 जोड़ों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा। केईएम की डीन डॉ. संगीता रावत ने भावुक होते हुए कहा कि आईवीएफ सिर्फ एक डॉक्टरी इलाज नहीं, बल्कि एक सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव है, जिसे हमने अब किफायती बना दिया है।

जनवरी में 7.14 करोड़ के नशीले पदार्थ जब्त

मुंबई। मुंबई पुलिस ने नशे के सौदागरों के खिलाफ अपने अभियान को तेज करते हुए साल के पहले महीने (जनवरी) में ही बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, शहर भर में नशीले पदार्थों से जुड़े कुल 69 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 85 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने लगभग 17.25 किलोग्राम ड्रग्स बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 7.14 करोड़ रुपये आंकी गई है। पिछले साल की तुलना में इस बार जब्ती के मूल्य में वृद्धि देखी गई है।

पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, शहर में सबसे ज्यादा प्रसार गांजा और मेफेड्रोन (एमडी) का पाया गया है। जनवरी में गांजा तस्करी से जुड़े 38 मामले दर्ज कर 40 लोगों को पकड़ा गया और 3.43 करोड़ रुपये मूल्य का 14 किलो गांजा जब्त किया गया। वहीं, एमडी के 24 मामलों में 38 गिरफ्तारियां हुईं और 3.64 करोड़ रुपये मूल्य की 2.17 किलो ड्रग्स बरामद की गई। इसके अतिरिक्त, हेरोइन और चरस के मामलों में भी कार्रवाई की गई है। मादक पदार्थों के सेवन के खिलाफ भी पुलिस सख्त है, जिसके तहत 221 मामले दर्ज कर 188 लोगों को हिरासत में लिया गया। ड्रग गिरोहों के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए मुंबई पुलिस अब आधुनिक तकनीकों का सहारा ले रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, नशे का कारोबार अब केवल गलियों तक सीमित नहीं है, बल्कि डार्कनेट (Darknet) जैसे गुप्त डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर भी फल-फूल रहा है। पुलिस की विशेष टीमें इन वेबसाइटों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रही हैं ताकि बड़े सिंडिकेट्स तक पहुँचा जा सके।

यात्रियों का सामान उड़ाने वाले चोरों पर शिकंजा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की मध्य रेल टीम ने जीआरपी के समन्वय से दो अलग-अलग अभियानों में चोरी के मामलों का खुलासा किया। एक कार्रवाई मुंबई मंडल के इगतपुरी-कसारा घाट खंड में सक्रिय गिरोह के खिलाफ हुई, जबकि दूसरी सफलता सोलापुर मंडल में दर्ज एक मामले को सुलझाने में मिली।

केस-1: मंगला एक्सप्रेस में सक्रिय गिरोह का भंडाफोड़

इगतपुरी-कसारा घाट खंड में लगातार मिल रही चोरी की शिकायतों के बाद आरपीएफ ने कसारा और इगतपुरी पोस्ट, अपराध निवारण एवं पहचान दस्ते (सीपीडीएस) तथा जीआरपी इगतपुरी के साथ संयुक्त टीम बनाई। घाट और आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों में संदिग्धों पर गुप्त निगरानी रखी गई। 12 जनवरी 2026 को ट्रेन संख्या 12618 अप एर्नाकुलम-हजरत निजामुद्दीन मंगला एक्सप्रेस में एक यात्री का सामान चुराते हुए दो आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपियों में 26 वर्षीय रविंद्र नामदेव धोगंडे (खडवली निवासी) और 19 वर्षीय करण भीमराव भलेराव (असंगांव निवासी) शामिल हैं। पूछताछ में उनके तीसरे साथी 24 वर्षीय कल्पेश कानू अरे का नाम सामने आया, जिसे बलवंडी स्थित घर से गिरफ्तार किया गया। तलाशी में सोने के आभूषण—मंगलसूत्र, कान की बालियां, नथनी—सहित 6 मोबाइल फोन बरामद हुए। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि गिरोह अन्य करीब पांच मामलों में भी शामिल हो सकता है। आगे की जांच जीआरपी इगतपुरी द्वारा की जा रही है।

केस-2: चेन्नई-एकतानगर सुपरफास्ट में आरोपी गिरफ्तार

17 जनवरी 2026 को ट्रेन संख्या 20919 चेन्नई-एकतानगर सुपरफास्ट एक्सप्रेस में अपराध रोकथाम ड्यूटी के दौरान आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम तैनात थी। सुबह करीब 5:30 बजे दुधनी स्टेशन पर एक संदिग्ध व्यक्ति आरक्षित डिब्बे से सामान्य डिब्बे की ओर भागता दिखा, जिसे तुरंत पकड़ लिया गया।

पूछताछ में आरोपी की पहचान कर्नाटक के बेल्लारी जिले के निवासी गोपीकृष्णा के रूप में हुई। उसने तीन मोबाइल फोन और 5,100 रुपये नकद चोरी करना कबूल किया। तलाशी में आईफोन सहित मोबाइल, कलाई घड़ी, पावर बैंक, चार्जर और इयरफोन बरामद हुए, जिनकी कुल कीमत लगभग 1.52 लाख रुपये आंकी गई है। आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए जीआरपी सोलापुर को सौंप दिया गया। उसके खिलाफ भारतीय रेलवे अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच जारी है।

बिश्नोई गैंग की अब 'कांग्रेस विधायक' को धमकी

साजिद खान से मांगी 10 करोड़ की रंगदारी

वडेट्टीवार ने सदन में उठाया सुरक्षा का मुद्दा

मुंबई। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड और सलमान खान के घर पर फायरिंग के बाद बिश्नोई गैंग का अगला निशाना अब महाराष्ट्र का एक विधायक बना है। कांग्रेस विधायक साजिद खान पठान को अंतरराष्ट्रीय नंबर से फोन कर न केवल धमकाया गया है, बल्कि उनसे भारी-भरकम 10 करोड़ रुपये की मांग भी की गई है। विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने इस चौंकाने वाले मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 17 फरवरी की दोपहर विधायक साजिद खान को एक फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को बिश्नोई गैंग का शुभम लोंकर बताया। उसने धमकी दी कि अगर 10 करोड़ रुपये नहीं मिले, तो अंजाम बुरा होगा। साथ ही उसने चुनौती दी कि— ₹पुलिस सुरक्षा सिर्फ कुछ दिन बचा पाएगी, हमारा नेटवर्क बहुत बड़ा है।

वडेट्टीवार का सरकार पर तीखा वार

सदन में इस मुद्दे को उठाते हुए वडेट्टीवार ने कहा कि जिस ऑडियो में धमकी दी गई है, वह रूह कंपा देने वाली है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर एक चुने हुए जनप्रतिनिधि को गैंग के गुर्दे खुलेआम धमका रहे हैं, तो महाराष्ट्र की आम जनता की सुरक्षा का क्या होगा? उन्होंने साफ किया कि साजिद खान का कोई आपराधिक बैकग्राउंड नहीं है, फिर भी उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) राहुल नार्वेकर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सरकार को आदेश दिया है कि साजिद खान पठान को तुरंत सुरक्षा मुहैया कराई जाए और इस धमकी भरे कॉल की गहराई से जांच कर आरोपियों को पाताल से भी ढूंढ निकाला जाए।

कौन है ये शुभम लोंकर?

शुभम लोंकर बिश्नोई गैंग का वो खतरनाक नाम है जो बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में मुख्य आरोपी है। हाल ही में फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर हुई फायरिंग में भी इसी का नाम सामने आया है। पुलिस इसे पकड़ने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है, लेकिन अब विधायक को मिली धमकी ने पुलिस की नींद उड़ा दी है।

भाजपा की नई टीम का हुआ एलान

नवनाथ बान बने मुख्य प्रवक्ता

देवेंद्रनाथ जैस्वार । मुंबई

महाराष्ट्र भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने संगठन में बड़े बदलाव किए हैं। पार्टी ने पहली बार बीएमसी कॉर्पोरेटर बने नवनाथ बान को मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किया है। नवनाथ बान इससे पहले पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रमुख थे और अब वह केशव उपाध्ये की जगह लेंगे। प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने मंगलवार को एक मीडिया वार्ता में नए पदाधिकारियों के नामों का एलान किया। इसमें मुख्य प्रवक्ता, महामंत्री, मंत्री, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और युवा मोर्चा अध्यक्ष जैसे अहम पद शामिल हैं।

किसे क्या जिम्मेदारी मिली?

भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को मजबूती देने के लिए पदाधिकारियों की नई सूची जारी की है, जिसमें अनुभवी और युवा चेहरों को संतुलित स्थान दिया गया है। अतुल भातखलकर, भारती पवार और गोपीचंद पडलकर समेत 10 नेताओं को प्रदेश उपाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि निरंजन डावखरे और माधवी नाइक जैसे 6 नेताओं को महासचिव नियुक्त किया गया है। सांगठनिक कार्यों के लिए मंगेश चव्हाण और राम सतपुते सहित 11 सदस्यों को सचिव पद की कमान मिली है। विशेष मोर्चों की बात करें तो कृष्णराज महादिक को युवा मोर्चा, चित्रा वाघ को महिला मोर्चा और योगेश तिलेकर को ओबीसी मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया है, वहीं विधायक मिहिर कोटेचा को प्रदेश कोषाध्यक्ष की अहम जिम्मेदारी दी गई है।

चुनाव के कारण हुई देरी

चव्हाण ने बताया कि कुछ महीने पहले केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी थी। लेकिन इसके तुरंत बाद आचार संहिता और स्थानीय निकाय चुनाव शुरू हो गए। इसलिए वरिष्ठ नेताओं ने तय किया कि नई नियुक्तियों का एलान चुनाव के बाद ही किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ये फैसले राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, वरिष्ठ नेता अमित शाह, बी एल संतोष, शिव प्रकाश, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राज्य के अन्य बड़े नेताओं से चर्चा के बाद लिए गए हैं।

नामों के एलान के दौरान क्या बोले चव्हाण?

चव्हाण ने कहा कि भाजपा के संविधान और महाराष्ट्र के हालात को देखते हुए हर कार्यकर्ता पद के योग्य है। हर किसी ने इतने वर्षों में पार्टी के सफर में अपना योगदान दिया है। हालांकि, पद सीमित होते हैं इसलिए सबको मौका नहीं मिल पाता।

पश्चिम रेलवे
हरी वनस्पति कटाई एवं खरपतवार नाशक छिड़काव

DRM (रोलिंग स्टॉक), EMU कारशेड, मुंबई सेंट्रल डिवीजन, पश्चिम रेलवे, मुंबई-400 034 **ई-टेंडर नोटिस संख्या: DRM/RS/2025-26/19, दिनांक 16.02.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम :** मुंबई उपनगरीय खंड के EMU स्टेबलिंग यार्डों में 3 वर्ष की अवधि के लिए हरी वनस्पति काटना, हटाना एवं खरपतवार नाशक दवा छिड़काव का ई-टेंडर किया गया है। **अनुमानित लागत:** 17,99,820/- **EMD:** 36,000/- **जमा करने की तिथि व समय:** 12.03.2026 तक दोपहर 15:00 बजे। **खोलने की तिथि व समय:** 12.03.2026 को दोपहर 15:30 बजे वेबसाइट विवरण: निविदा वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें एवं जमा करें। 1150

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
इन्वर्टर की मरम्मत

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कोचिंग), मुंबई सेंट्रल–08 **निविदा सूचना सं.: WR-MMCTOECOA (ECTD)/55/20250/o SRDEE/CHG/MMCT/W (कंप्यूटर नं. 683822) आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम:** 2.5 एवं 5 KVA इन्वर्टरों की मरम्मत। **कार्य की अनुमानित लागत:** 5,59,978.44/- बोली सुरक्षा राशि : 11,200/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय:** 16.03.2026, समय 15:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि व समय:** 16.03.2026, समय 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 1146

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
विद्युत शक्ति कार्य

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (पावर)/बीसीटी, मुंबई सेंट्रल,**निविदा सूचना संख्या: EL-81-155-15-WA-79 दिनांक: 23.02.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य एवं स्थान:** करंबेली – वर्तमान माल गोदाम पर प्लेटफॉर्म सहित नई माल लाइन की व्यवस्था के संबंध में विद्युत (पावर) कार्य। कार्य की अनुमानित लागत: 24,00,324/- **बयाना राशि (EMD):** 48,000/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 20.03.2026 को 15:00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 20.03.2026 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 1164

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

विपक्ष की नेता किशोरी पेडणेकर ने किया राजावाड़ी अस्पताल का निरीक्षण

मुंबई। घाटकोपर स्थित नगर निकाय संचालित राजावाड़ी अस्पताल की कार्यप्रणाली को लेकर विपक्षी नेता किशोरी पेडणेकर ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। मंगलवार को अस्पताल का दौरा करने के बाद उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था में खामियों और स्वास्थ्य व्यय में पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाए। पेडणेकर ने जोर देकर कहा कि मरीजों और उनके परिजनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान सुरक्षा उपाय अपर्याप्त हैं। उन्होंने मांग की कि अस्पताल में सुरक्षा गार्डों की संख्या तुरंत बढ़ाई जाए ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। निरीक्षण के दौरान पेडणेकर ने स्वास्थ्य विभाग के खर्चों पर स्पष्टीकरण मांगते हुए कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आवंटित फंड के उपयोग में पारदर्शिता होना अनिवार्य है। उन्होंने प्रशासन से स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाले खर्च का विस्तृत विवरण साझा करने की मांग की। ₹जनता के पैसे का उपयोग कैसे किया जा रहा है, इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए,₹ उन्होंने जोर देते हुए कहा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फंड का सही वितरण ही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार ला सकता है।

पश्चिम रेलवे
परामर्श सेवाओं की नियुक्ति

ACM (G)-BCT निविदा संख्या WRMMCTNFRCONSULTRDN2 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम :चर्चगेट से विरार तक स्टेशनों पर रेल डिस्प्ले नेटवर्क (RDN) संपत्तियों (डिजिटल स्क्रीन, वीडियो वॉल) के लिए पहचान, तकनीकी व्यवहार्यता अध्ययन और टेंडर पैकेजिंग हेतु परामर्श सेवाएं, RDN संपत्तियों की पहचान, तकनीकी व्यवहार्यता और टेंडर पैकेजिंग। **विज्ञापित मूल्य:** 9,95,000/- **EMD:** 19,900/- **निविदा दस्तावेज़ लागत:** 5,000/- **निविदा प्रारंभ तिथि:** 4 मार्च 2026 **निविदा समापन तिथि व समय:** 18 मार्च 2026, दोपहर 15:00 बजे संपर्क विवरण लैंडलाइन: 022-67644212 ईमेल: acmadvtgbct@gmail.com **कार्य समय:** सुबह 09:30 से शाम 06:00 बजे कार्यालय पता: वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, DRM कार्यालय, एनेक्स भवन, प्रथम तल, वाणिज्य विभाग, NFR खंड, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008। अतिरिक्त जानकारी के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 1152

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल
भुसावल मंडल
निविदा सूचना सं. बीएसएल-एन-एसएनटी-53-2025-26 दिनांक 23.02.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (सिगनल एवं दूरसंचार) मध्य रेल, भुसावल द्वारा डिजीटली हस्ताक्षरित ऑन लाईन खुली ई-निविदाएँ पात्र निविदाकर्ताओं से निम्न लिखित कार्य के आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** मध्य रेलवे के भुसावल मंडल में शेष (LHS/आस्पिरेशन) स्थानों पर नॉन-RDSO प्रकार के AFDAS को RDSO स्वीकृत AFDAS प्रणाली से प्रतिस्थापन तथा RDSO स्वीकृत AFDAS प्रणाली के साथ आस्पिरेशन सिस्टम की व्यवस्था करने का कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु 6,98,36,888.72/- (रुपये छह करोड़ अट्ठानवे लाख छत्तीस हजार आठ सौ अठासी रूपये एवं बहत्तर पैसे मात्र) **निविदा फार्म/बुकलेट की कीमत:** नहीं. **बयाना राशी:** ₹ 4,99,200.00/- **कार्य पूरा करने का समय:** 9 माह एलओए देने के बाद । **निविदा जमा करने की प्रारंभ तिथि: 06/03/2026.** निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समय: **20/03/2026 के 15.00 बजे तक ।** निविदा खुलने की तिथि और समय : **20/03/2026 के 15.30 बजे** (यदि संभव हो तो) वेबसाइट का विवरणजहा से निविदा सूचना के बारे में पूर्ण जानकारी आप प्राप्त कर सकते है: www.ireps.gov.in AK/BSL-02

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस–पालिताना के बीच सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाएगी

ट्रेन नंबर	प्रारंभ स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथि	प्रस्थान	आगमन
09013	बांद्रा टर्मिनस – पालिताना	28.02.2026	11:00 बजे (शनिवार)	00:50 बजे (अगले दिन)
09014	पालिताना – बांद्रा टर्मिनस	01.03.2026	15:00 बजे (रविवार)	05:00 बजे (अगले दिन)

ठहराव : बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, बोटाद, धोला, सोनगढ़ और सिहोर (गुजरात) स्टेशन दोनों दिशाओं में।

कोच संरचना: एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास तथा जनरल सेकेंड क्लास डिब्बे।

समय, ठहराव और संरचना की विस्तृत जानकारी के लिए यात्री भारतीय रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in पर देख सकते हैं।

ट्रेन संख्या 09013 एवं 09014 की बुकिंग 25.02.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। यह ट्रेन स्पेशल ट्रेन और स्पेशल किराए पर चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
facebook.com/WesternRly
X.com/WesternRly
Instagram.com/WesternRly
https://www.youtube.com/@WesternRly
https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

हमें लाइक करें: और हमें फॉलो करें

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे,मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008

कार्य – मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर माध्यमों के माध्यम से विज्ञापन का प्रदर्शन।

नीलामी कैटलॉग संख्या	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-PnU-25-18	13-03-2026 13:00:00

क्र. सं.	लॉट नंबर	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	PnU-BCT-VAPI-WRL-85-26-2 (पे एंड यूज़ – लाउंज/प्रतीक्षालय/रिटायरिंग/क्लोक रूम)	वापी स्टेशन पर रिटायरिंग रूम/डॉर्मिटरी के नवीनीकरण, संचालन एवं रखरखाव हेतु ई-नीलामी	1826	13-03-2026 13:30:00

नीलामी कैटलॉग संख्या	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCTADVMB25-12	13-03-2026 14:00:00

क्र. सं.	लॉट नंबर	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	MMS-MobGen-133732-2-26-1 (विविध मोबाइल सेवाएँ – मोबाइल जनरल)	ट्रेन संख्या 12009/12010 शताब्दी एक्सप्रेस (मुंबई सेंट्रल – अहमदाबाद – मुंबई सेंट्रल) में ऑनबोर्ड निःशुल्क लाइफस्टाइल मैगजीन के वितरण हेतु अनुबंध, मुंबई मंडल, पश्चिम रेलवे।	1096	13-03-2026 14:30:00

नीलामी कैटलॉग संख्या	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-80	13-03-2026 15:00:00 बजे

क्र. सं.	लॉट नंबर	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	ADVT-Int-133732-5-26-1 (विज्ञापन – ट्रेन के अंदर)	फैक्ट्री-फिटेड डिजिटल स्क्रीन (कुल 10 स्क्रीन) के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करने का अनुबंध।	1096	13-03-2026 15:30:00
	एमएमसीटी डिवीजन के ट्रेन संख्या 12009/12010 के तीन कोचों में स्थापित करना,दो विस्टा डोम कोच (प्रत्येक में 4 स्क्रीन)एक अनुभूति कोच (2 स्क्रीन) 3 वर्ष के लिए।			
2	ADVT-BCT-CCG-OH-469-26-1 (विज्ञापन – आउट ऑफ होम)	चर्चगेट स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 4 के पूर्वी भाग में सड़क की ओर मुख वाले दीवारों पर LCD/LED के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करने के लिए थोक विज्ञापन अधिकार 5 वर्ष के लिए।	1826	13-03-2026 15:40:00

संपर्क विवरण: लैंडलाइन नं.: 022-67644212 ईमेल आईडी: acmadvtgbct@gmail.com
टिप्पणी: संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट-वार विवरण उक्त वेबसाइट पर दिए गए कैटलॉग में उपलब्ध हैं। 1163

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फालो करें: X.com/WesternRly

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सहायक आयुक्त 'सी' विभाग,कार्यालय भवन, दूसरा तल, 76 श्रीकांत पालेकर मार्ग,चंदनवाडी, मुंबई-400002 दूरध्वनी: 022-22014022

क्रमांकः किनिअ/643/सी, दिनांकः 24/02/2026

सूचनापत्र

'सी' विभाग में कीटक नियंत्रण अधिकारी के तहत विविध कार्य जैसे कीटनाशक छिड़काव, धुंआ छिड़काव, मक्खी नियंत्रण, चूहा नियंत्रण आदि हेतु अप्रैल 2026 से अक्टूबर 2026 तक 172 दिन (7 माह) या कार्य आदेश से अगले 172 कार्य दिवसों (सार्वजनिक/साप्ताहिक छुट्टियाँ छोड़कर) के लिए बेरोजगार/सहकारी सेवा संस्थाओं से स्वयंसेवक उपलब्ध कराने हेतु पंजीकृत सहकारी/बेरोजगार सेवा संस्थाओं से आवेदन मंगाने के लिए वेबसाइट पर सूचना पत्र दिया जाता है। निविदा पत्र या वसीयत पत्र का नमूना आवेदन शुल्कः 7,788/- (6,600 + 18% GST) - नागरी सुविधा केंद्र में जमा कर 'सी' विभाग कार्यालय से प्राप्त करें। आवेदन पत्र और वसीयत पत्र के नमूने के लिए वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in पर जाएं या पेस्ट कंट्रोल 'C' डिवीज़न ऑफिस, 'C' डिवीज़न ऑफिस बिल्डिंग, 76, श्रीकांत पालेकर मार्ग, चंदनवाड़ी, मुंबई-400002 से संपर्क करें।

संस्था को आवेदन पत्र कीटक नियंत्रण अधिकारी, C विभाग ऑफिस में कामकाज के दिन 05.03.2026 को दोपहर 1.00 बजे तक जमा करनी चाहिए।

हस्ता/-
सहायक आयुक्त
सी विभाग

पीआरओ/ 3089 /विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

शिक्षा में आत्ममंथन की नई शुरुआत

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा कक्षा 8 के पाठ्यक्रम में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' और मुकदमों की लंबी पेंडेंसी जैसे विषयों को शामिल करने का निर्णय भारतीय शिक्षा व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण और साहसी परिवर्तन का संकेत है। अब तक हमारी पाठ्यपुस्तकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं को लगभग त्रुटिहीन और आदर्श रूप में प्रस्तुत किया जाता रहा है। विद्यार्थियों को यह सिखाया जाता था कि कानून के समक्ष सभी समान हैं और न्यायपालिका संविधान की सर्वोच्च संरक्षक है। यह तथ्य अपनी जगह सही है, परंतु इसके साथ-साथ यह भी सच है कि देश की अदालतों में करोड़ों मामले वर्षों से लंबित हैं और समय-समय पर न्यायिक व्यवस्था पर सवाल भी उठते रहे हैं। ऐसे में किशोर छात्रों को इन वास्तविकताओं से परिचित कराना परिपक्व लोकतंत्र की निशानी है। यह बदलाव केवल पाठ्यवस्तु का विस्तार नहीं, बल्कि शिक्षा के दृष्टिकोण में परिवर्तन है। 13-14 वर्ष की आयु वह समय होता है जब बच्चे आदर्श और यथार्थ के बीच फर्क समझना शुरू करते हैं। यदि उन्हें केवल आदर्शवादी चित्र दिखाया जाए और वास्तविकता से अनभिज्ञ रखा जाए, तो बाद में सच्चाई सामने आने पर उनका व्यवस्था से विश्वास उठ सकता है। पाठ्यक्रम में न्यायिक चुनौतियों को शामिल करना दरअसल विद्यार्थियों के भीतर आलोचनात्मक सोच विकसित करने का प्रयास है। इसका उद्देश्य न्यायपालिका की गरिमा को कम करना नहीं, बल्कि यह समझाना है कि हर संस्था मानवीय सीमाओं से बंधी होती है और सुधार की आवश्यकता हमेशा बनी रहती है। भ्रष्टाचार, मामलों की अधिकता, न्यायाधीशों की कमी और न्याय में देरी जैसे मुद्दों पर कक्षा में चर्चा होने से विद्यार्थी यह समझ पाएंगे कि लोकतंत्र केवल अधिकारों का नाम नहीं, बल्कि जिम्मेदारियों का भी तंत्र है। एक जागरूक नागरिक का दायित्व केवल संस्थाओं का सम्मान करना नहीं, बल्कि उन्हें जवाबदेह बनाना भी है। यदि छात्र कम उम्र से ही यह समझने लगें कि व्यवस्था में सुधार कैसे संभव है, तो भविष्य में वे अधिक सक्रिय और जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। वैश्विक स्तर पर देखें तो कई लोकतांत्रिक देशों में संस्थागत कमियों पर खुली चर्चा शिक्षा का हिस्सा है। वहां छात्रों को यह सिखाया जाता है कि सत्ता और संस्थाओं से प्रश्न पूछना लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा है, न कि उसका अपमान। भारत में भी इस दिशा में कदम उठाना यह दर्शाता है कि हमारा लोकतंत्र आत्ममंथन के लिए तैयार है। हालांकि, यहां संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। यदि केवल नकारात्मक पहलुओं पर ही जोर दिया जाएगा, तो छात्रों में अविश्वास पनप सकता है। इसलिए जरूरी है कि न्यायपालिका की ऐतिहासिक उपलब्धियों और महत्वपूर्ण फैसलों को भी समान रूप से पढ़ाया जाए, ताकि छात्रों के मन में संतुलित दृष्टि विकसित हो। अंततः, यह पहल स्वागत योग्य है, बशर्ते इसे विवेकपूर्ण ढंग से लागू किया जाए। शिक्षा का उद्देश्य केवल संस्थाओं का गुणगान करना नहीं, बल्कि उनकी कार्यप्रणाली को समझना और सुधार की संभावनाओं पर विचार करना भी है। यदि कक्षा 8 का विद्यार्थी यह समझ सके कि न्याय में देरी क्यों होती है, भ्रष्टाचार समाज को कैसे प्रभावित करता है और सुधार की दिशा में क्या कदम उठाए जा सकते हैं, तो वह भविष्य के लिए अधिक सजग नागरिक बन सकेगा। लोकतंत्र की मजबूती अंध प्रशंसा में नहीं, बल्कि निरंतर आत्ममंथन और सुधार की प्रक्रिया में निहित है।

प्रिंटिंग उद्योग में तकनीकी बदलाव और नवाचार

मुनीब चौरसिया
युवा पत्रकार

वर्ष 2015 में यह हिस्सा लगभग 15 प्रतिशत था, वहीं अब यह 30 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है। प्रिंट-ऑन-डिमांड' मॉडल के कारण प्रकाशन उद्योग में क्रांतिकारी बदलाव आया है। पुस्तकों की सीमित प्रतियां छापने की सुविधा से भंडारण लागत में लगभग 25 से 40 प्रतिशत तक कमी आई है। इसके साथ ही रिटर्न और कागज़ की बर्बादी भी घटी है। आधुनिक प्रिंटिंग प्रेस अब स्मार्ट उत्पादन इकाइयों में बदल रहे हैं।

प्रिंटिंग उद्योग को लंबे समय तक परंपरागत क्षेत्र माना गया, लेकिन वर्तमान समय में यह उद्योग तेज़ तकनीकी बदलाव और नवाचार के दौर से गुजर रहा है। डिजिटल क्रांति के प्रभाव के बावजूद प्रिंटिंग समाप्त नहीं हुई, बल्कि उसने स्वयं को नए स्वरूप में ढाल लिया है। वैश्विक बाजार के आंकड़े बताते हैं कि प्रिंटिंग उद्योग अब केवल कागज़ आधारित छपाई तक सीमित नहीं, बल्कि डिजिटल, स्वचालित और हरित तकनीकों के सहारे नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

हाल के औद्योगिक आकलनों के अनुसार, वैश्विक प्रिंटिंग उद्योग का बाजार आकार लगभग 850 अरब डॉलर से अधिक का है। इसमें पैकेजिंग प्रिंटिंग का हिस्सा सबसे बड़ा है, जो कुल बाजार का लगभग 40 प्रतिशत माना जाता है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक डिजिटल प्रिंटिंग बाजार की वार्षिक वृद्धि दर 6 से 8 प्रतिशत के बीच रह सकती है। विशेष रूप से डिजिटल पैकेजिंग और लेबल प्रिंटिंग क्षेत्र में दो अंकों की वृद्धि देखी जा रही है। भारत की बात करें तो यहां प्रिंटिंग उद्योग का आकार लगभग 30 अरब डॉलर के आसपास आंका जाता है। भारत में लगभग 2.5 लाख से अधिक छोटे-बड़े प्रिंटिंग इकाइयां कार्यरत हैं, जिनमें से अधिकांश सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम की श्रेणी में आती हैं। यह क्षेत्र प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 20 लाख लोगों को रोजगार देता है। डिजिटल प्रिंटिंग तकनीक ने उद्योग की संरचना बदल दी है। पहले ऑफसेट प्रिंटिंग में बड़ी मात्रा में छपाई ही लाभकारी मानी जाती थी, लेकिन अब कम संख्या में भी उच्च गुणवत्ता संभव है।

आंकड़ों के अनुसार, कुल व्यावसायिक प्रिंटिंग में डिजिटल प्रिंटिंग की हिस्सेदारी पिछले दस वर्षों में लगभग दोगुनी हो चुकी है। जहां वर्ष 2015 में यह हिस्सा लगभग 15 प्रतिशत था, वहीं अब यह 30 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है। प्रिंट-ऑन-डिमांड' मॉडल के कारण प्रकाशन उद्योग में क्रांतिकारी बदलाव आया है। पुस्तकों की सीमित प्रतियां छापने की सुविधा से भंडारण लागत में लगभग 25 से 40 प्रतिशत तक कमी आई है। इसके साथ ही रिटर्न और कागज़ की बर्बादी भी घटी है। आधुनिक प्रिंटिंग प्रेस अब स्मार्ट उत्पादन इकाइयों में बदल रहे हैं। स्वचालित मशीनें रंग नियंत्रण, त्रुटि पहचान और उत्पादन की गति को स्वयं समायोजित कर रही हैं।

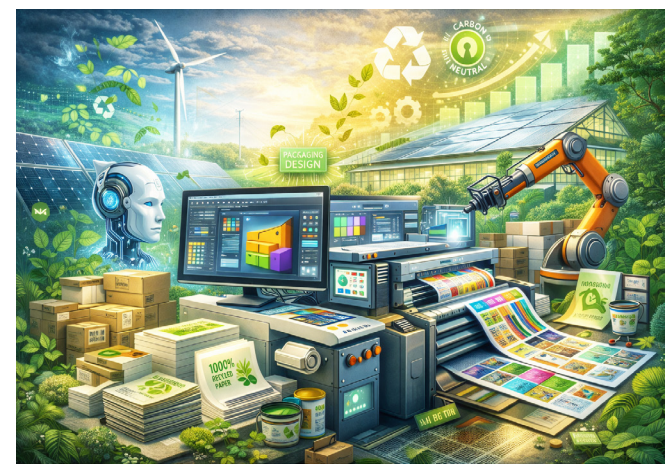

औद्योगिक सर्वेक्षण बताते हैं कि जिन इकाइयों ने पूर्ण या आंशिक स्वचालन अपनाया है, उनकी उत्पादन क्षमता में औसतन 20 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सॉफ्टवेयर अब डिजाइन से लेकर अंतिम प्रिंट गुणवत्ता जांच तक की प्रक्रिया में उपयोग हो रहे हैं। इससे त्रुटियों में लगभग 15 से 20 प्रतिशत तक कमी दर्ज की गई है। साथ ही मशीनों की पूर्वानुमानित रखरखाव प्रणाली के कारण डाउनटाइम में लगभग 25 प्रतिशत की कमी आई है। ई-वाणिज्य के बढ़ते प्रभाव ने पैकेजिंग प्रिंटिंग को नई दिशा दी है। आंकड़ों के अनुसार, ऑनलाइन खुदरा व्यापार में हर वर्ष लगभग 10 से 12 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है, जिससे पैकेजिंग सामग्री की मांग भी समान अनुपात में बढ़ रही है। पैकेजिंग प्रिंटिंग क्षेत्र की वार्षिक वृद्धि दर लगभग 8 प्रतिशत आंकी जा रही है। लेबल प्रिंटिंग में व्यक्तिगत और अल्पसंख्यक उत्पादन की मांग तेजी से बढ़ी है।

खाद्य, औषधि और सौंदर्य प्रसाधन उद्योगों में आकर्षक और जानकारीपूर्ण लेबल की मांग बढ़ने से यह क्षेत्र विशेष रूप से लाभान्वित हुआ है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी प्रिंटिंग उद्योग तेजी से कदम बढ़ा रहा है। पुनर्नवीनीकरण कागज़ का उपयोग पिछले पांच वर्षों में लगभग 18 प्रतिशत बढ़ा है। जल-आधारित और सोया-आधारित स्याही के उपयोग में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ऊर्जा-कुशल मशीनों के प्रयोग से बिजली खपत में औसतन 10 से 15 प्रतिशत तक कमी लाई गई है। कई बड़ी कंपनियां अब कार्बन उत्सर्जन घटाने के लक्ष्य निर्धारित कर रही हैं। हरित प्रमाणन प्राप्त करने वाली प्रिंटिंग इकाइयों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा क्षमता मजबूत हुई है। तकनीकी बदलाव के साथ श्रम की प्रकृति भी बदली है। जहां पहले परंपरागत मशीन ऑपरेटरों की मांग अधिक थी, वहीं अब डिजिटल डिजाइनर, सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ और तकनीकी अभियंताओं की आवश्यकता बढ़ी है।

हमारी गीता

हमारे जीवन-रथ के असली सारथी श्रीकृष्ण

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

श्रीमद भगवद गीता का यह रूपक केवल एक कथा नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व का एक गहन मनोवैज्ञानिक विश्लेषण है। भगवान कृष्ण द्वारा अर्जुन के रथ का सारथ्य करना इस सत्य को उद्घाटित करता है कि हमारा शरीर एक रथ के समान है और हमारी पांच इंद्रियां (आंख, कान, नाक, जीभ, त्वचा) इसके पांच घोड़े हैं। सामान्यतः ये इंद्रियां बाहरी विषयों और भोगों के पीछे बिना किसी दिशा के भागती रहती हैं। यदि इन घोड़ों को खुला छोड़ दिया जाए, तो जीवन-रथ बिखर सकता है। वास्तव में, इंद्रियां स्वयं में बुरी नहीं हैं; वे केवल माध्यम या खिड़कियां हैं जिनके द्वारा हम संसार का अनुभव करते हैं। समस्या तब उत्पन्न होती है जब हमारा मन, जो इन इंद्रियों की बागडोर है, बुद्धि के नियंत्रण से बाहर हो जाता है और क्षणिक सुख के पीछे भागने लगता है। वर्तमान जीवन में हमारे दुखों और तनाव का मुख्य कारण यही है कि हमारा 'बुद्धि' रूपी सारथी सो गया है। हमें शास्त्रों या अनुभवों से यह तो पता होता है कि क्या सही है और क्या गलत (जैसे धूम्रपान का हानिकारक होना या नियमों का पालन करना), परंतु हमारा मन बुद्धि की सलाह को अनसुना कर

देता है। जब मन इंद्रियों के वश में होता है, तो वह विवेकहीन हो जाता है। ऐसी स्थिति में रथ का प्रत्येक घोड़ा अपनी-अपनी दिशा में भागता है—आंखों को केवल मनोरंजन चाहिए, जीभ को केवल स्वाद और कानों को केवल अपनी प्रशंसा। यदि जीवन की बागडोर ऐसे चंचल मन के हाथ में रही, तो हम अपने गंतव्य तक कभी नहीं पहुंच पाएंगे, बल्कि केवल चिंताओं, व्याधियों और अशांति के दलदल में फंसते चले जाएंगे। इस जीवन-रथ को सुरक्षित और सफल बनाने का एकमात्र मार्ग है—बुद्धि को जागृत करना और उसे भगवान कृष्ण (परम चेतना) के चरणों में समर्पित कर देना। जब हमारी बुद्धि आध्यात्मिक ज्ञान से युक्त होकर प्रशिक्षित हो जाती है, तब वह 'सफेद घोड़ों' यानी शुद्ध और संयमित इंद्रियों को सही दिशा में मोड़ देती है।

शख्सियत

पंडित शिवमंगल सिंह सुमन

राष्ट्रचेतना और ओजस्विता के अमर गायक

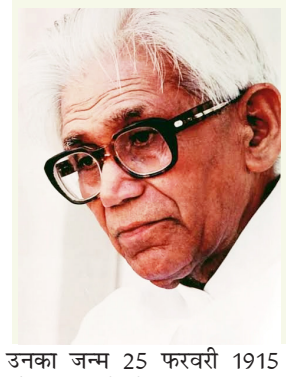

पंडित शिवमंगल सिंह सुमन हिंदी साहित्य के उन तेजस्वी और प्रेरक कवियों में अग्रगण्य हैं, जिनकी वाणी में राष्ट्रप्रेम, मानवता और आत्मगौरव की सशक्त अनुगूंज सुनाई देती है।

उनका जन्म 25 फरवरी 1915 को हुआ। वे केवल एक कवि नहीं, बल्कि चिंतक, शिक्षाविद, संस्कृतिकर्मी और प्रखर वक्ता भी थे। उनकी रचनाओं में ओज, करुणा, संवेदना और प्रेरणा का अद्भुत समन्वय मिलता है, जो पाठक और श्रोता दोनों के मन में नई चेतना का संचार करता है। सुमन जी का साहित्यिक व्यक्तित्व उस कालखंड में विकसित हुआ, जब भारत स्वतंत्रता संग्राम की ज्वाला से दहक रहा था। देश गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा था और जनमानस स्वतंत्रता के स्वप्न से उद्वेलित था। ऐसे समय में उनकी कविताएं केवल सौंदर्यबोध की अभिव्यक्ति नहीं रहीं, बल्कि वे जागरण का शंखनाद बन गईं। उन्होंने शब्दों को शस्त्र की तरह प्रयोग किया और युवाओं के भीतर आत्मसम्मान, पराक्रम और कर्मनिष्ठा की भावना जागृत की। उनकी ओजस्वी पंक्तियां आज भी यह संदेश देती हैं कि राष्ट्रनिर्माण केवल किसी एक वर्ग का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का पवित्र कर्तव्य है। उनकी काव्यभाषा सरल, सहज और प्रभावपूर्ण है। वे कठिन भावों को भी सरल शब्दों में इस प्रकार व्यक्त करते हैं कि वे सीधे हृदय में उतर जाते हैं। उनकी कविता में लोकजीवन की सजीवता, प्रकृति का सौंदर्य, संघर्ष की तपिश और मानवीय करुणा का विस्तार मिलता है। वे आदर्शवाद को यथार्थ से जोड़ते हैं और जीवन की कठोर परिस्थितियों में भी आशा का दीप जलाने की प्रेरणा देते हैं। यही कारण है कि वे जनकवि के रूप में प्रतिष्ठित हुए और व्यापक जनसमुदाय में लोकप्रिय बने। शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। वे विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर आसीन रहे और शिक्षा को केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का आधार मानते थे। उनका विश्वास था कि शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य में नैतिक मूल्यों, अनुशासन और राष्ट्रीय चेतना का विकास करना है। वे विद्यार्थियों को केवल पाठ्यज्ञान नहीं देते थे, बल्कि जीवन के आदर्शों और कर्तव्यों का बोध भी कराते थे। उनका व्यक्तित्व अत्यंत विनम्र, अनुशासित और संतुलित था। वे मानते थे कि साहित्यकार समाज का मार्गदर्शक होता है। साहित्य का उद्देश्य केवल सौंदर्य का चित्रण नहीं, बल्कि समाज को दिशा देना भी है। उनकी रचनाओं में यह दृष्टि स्पष्ट दिखाई देती है। वे निराशा में आशा, अंधकार में प्रकाश और पराजय में संभावनाओं की खोज करना सिखाते हैं। पंडित शिवमंगल सिंह सुमन को उनके साहित्यिक अवदान के लिए अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से अलंकृत किया गया, जिनमें पद्मभूषण भी शामिल है। किंतु उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार पाठकों का स्नेह और समाज का विश्वास था। वे जीवनपर्यंत साहित्य, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति समर्पित रहे। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि शब्दों की शक्ति अत्यंत प्रभावशाली होती है।

जीवन ऊर्जा

मेहर बाबा : जन्म - 25 फरवरी 1894

जन्म

मानवता की निस्वार्थ सेवा ही सच्ची पूजा है

मेहर बाबा भारत के महान आध्यात्मिक मार्गदर्शक थे, जिन्होंने प्रेम, मौन और आत्मज्ञान का संदेश पूरी दुनिया में फैलाया। उनका जन्म 25 फरवरी 1894 को पुणे में हुआ। युवावस्था में ही उन्हें गहन आध्यात्मिक अनुभूतियां प्राप्त हुईं और उन्होंने मानवता की सेवा को अपने जीवन का ध्येय बना लिया। 10 जुलाई 1969 को उनका देहावसान हुआ, परंतु उनका संदेश आज भी विश्वभर के अनुयायियों को प्रेरित करता है।

ईश्वर प्रेम है और प्रेम ही ईश्वर है। मानवता की निस्वार्थ सेवा ही सच्ची पूजा है। सच्चा धर्म हृदय की पवित्रता में है, बाहरी आडंबर में नहीं। अहंकार आत्मा और परमात्मा के बीच की दीवार है। मौन शब्दों से अधिक प्रभावशाली है। सभी धर्म एक ही सत्य की ओर ले जाते हैं। धर्म विभाजन नहीं, एकता सिखाता है। मन की शांति भीतर से आती है। क्षमा आत्मा को मुक्त करती है। करुणा मानवता का आधार है। द्वेष अज्ञान से उत्पन्न होता है। प्रेम ही सभी समस्याओं का समाधान है। जो स्वयं को जीत लेता है वही सच्चा विजेता है। आत्मसंयम ही वास्तविक शक्ति है। त्याग के बिना आत्मिक उन्नति संभव नहीं। जीवन का उद्देश्य आत्मसाक्षात्कार है। स्वयं को जानना ही ईश्वर को जानना है। निस्वार्थ कर्म आत्मा को ऊंचा उठाता है। सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं। ईश्वर हर हृदय में निवास करता है। स्वार्थ छोड़ो, प्रेम अपनाओ। सत्य का अनुभव भीतर की साधना से होता है। आंतरिक अनुशासन

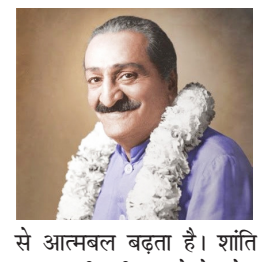

से आत्मबल बढ़ता है। शांति बाहर नहीं, भीतर खोजो। प्रेम देना ही सच्चा जीवन है। मानव जन्म आत्मिक विकास का अवसर है। साधना का मार्ग सरल है पर निरंतरता चाहता है। मौन में ही सत्य की अनुभूति होती है। अहिंसा प्रेम का स्वाभाविक रूप है। आत्मा अजर और अमर है। सच्ची भक्ति कर्म और करुणा में प्रकट होती है। मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु उसका अपना अहं है। जब हृदय प्रेम से भर जाता है, तब समस्त भेद मिट जाते हैं। विश्वास आत्मा की शक्ति है। धैर्य आध्यात्मिक प्रगति की कुंजी है। सरलता ही महानता का लक्षण है। प्रेम में कोई भय नहीं होता। सत्य अंततः विजयी होता है। आत्मसमर्पण से ही वास्तविक स्वतंत्रता मिलती है। प्रेम से बड़ा कोई साधन नहीं। आंतरिक जागृति ही वास्तविक क्रांति है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

भक्ति से ज्ञान तक की यात्रा

श्री राम जय राम जय जय राम। जीवन का मूल प्रश्न यह नहीं कि हम कितनी साधनाएं करते हैं, बल्कि यह है कि हम साधना किस उद्देश्य से करते हैं। विश्वास का फल भक्ति है और विवेक का फल ज्ञान। जब ये दोनों मिलते हैं, तभी मनुष्य का अंतःकरण प्रकाशित होता है। जीव के भीतर मोह का अंधकार छाया रहता है।

हृदय में एक गांठ सी बंधी होती है, जो भ्रम, अहंकार और स्वार्थ से बनती है। उस गांठ को खोलना ही जीवन का वास्तविक उद्देश्य है। इसके लिए ज्ञान का दीपक जलाना पड़ता है, और उस दीपक के लिए श्रद्धा रूपी घृत आवश्यक है। श्रद्धा को गाय के समान कहा गया है। यदि हम उसे सत्कर्म का हरा चारा खिलाते हैं, तो वह अधिक और शुद्ध दूध देती है। जप, तप, यम और नियम वही हरा चारा हैं। परंतु केवल क्रिया पर्याप्त नहीं है। यदि श्रद्धा सात्विक न हो, तो साधना का अपेक्षित फल नहीं मिलता। संसार में असंख्य लोग जप-तप करते हैं, फिर भी सभी को तत्त्वज्ञान प्राप्त नहीं होता। कारण स्पष्ट है—साधना का उद्देश्य भिन्न है। अधिकांश लोग भौतिक लाभ, कामनापूर्ति या किसी की पराजय की इच्छा से साधना करते हैं। ऐसी श्रद्धा रजोगुणी या तमोगुणी हो सकती है, पर सात्विक नहीं। धन स्वयं दोषी नहीं होता, दोष इस बात का है कि उससे क्या खरीदा जाता है। उसी प्रकार जप भी दोषी नहीं, बल्कि उद्देश्य का महत्व है। यदि साधना का लक्ष्य आत्मोन्नति और लोकमंगल है, तो वह प्रकाश देती है। यदि लक्ष्य अहंकार या किसी का अहित है, तो वही साधना पतन का कारण बनती है।

रावण का उदाहरण अत्यंत शिक्षाप्रद है। उसने कठोर तपस्या की, जिससे शिव और ब्रह्मा प्रसन्न हुए। परंतु उसके भीतर विवेक का अभाव था। विश्वास और विवेक दोनों उसके सामने उपस्थित थे, पर उसने अमरता के स्थान पर मनुष्य के हाथों मृत्यु मांग ली।

अहंकार ने उसके निर्णय को ढक लिया। यदि वह भक्ति और ज्ञान मांगता, तो उसका जीवन धन्य हो जाता। इससे स्पष्ट होता है कि केवल तपस्या महान नहीं बनाती, बल्कि सही दिशा में किया गया निर्णय ही जीवन को सार्थक करता है। गांधारी का प्रसंग भी इसी सत्य को उद्घाटित करता है। उसने पति के प्रति समर्पण में आंखों पर पट्टी बांध ली। त्याग महान था, पर विवेकपूर्ण नहीं। यदि वह अपनी दृष्टि का उपयोग धर्म की रक्षा के लिए करती, तो शायद परिणाम भिन्न होता। बाद में उसने अपने तप के प्रभाव से दुर्योधन को अजेय बनाना चाहा, पर अंततः वही प्रयास उसकी मृत्यु का कारण बना। यहां भी उद्देश्य और विवेक की कमी दिखाई देती है। इन प्रसंगों से शिक्षा मिलती है कि साधना का मूल्य उसकी दिशा में है। यदि श्रद्धा निष्काम और सात्विक है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

मुझे बताइए, राहुल गांधी ने भाजपा से लड़ने में क्या कसर छोड़ी है? उन्होंने लगातार भाजपा का विरोध किया है और हर मुद्दे पर भाजपा और सरकार को निशाना बनाया है। यही विपक्ष के नेता का काम होता है। राहुल गांधी से आप और क्या चाहते हैं?

उमर अब्दुला
मुख्यमंत्री, जम्मू- कश्मीर

अगर गांधी परिवार को कोई आर्थिक आवश्यकता पड़ती है तो तेलंगाना के कांग्रेस कार्यकर्ता आसानी से 1000 करोड़ रुपये जुटाकर उन्हें दे सकते हैं। गांधी परिवार के लिए धन प्राथमिकता नहीं है, लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो तेलंगाना कांग्रेस की ताकत से इतनी राशि इकट्ठा की जा सकती है।

ए. रेवंत रेड्डी
मुख्यमंत्री, तेलंगाना

मुख्यमंत्री तेलंगाना की जनता के पैसे को गांधी परिवार की फाइनेंशियल जरूरतों के लिए देने की बात कर रहे हैं। तेलंगाना के युवा डीएससी नोटिफिकेशन का इंतजार कर रहे हैं और किसान रायथु भरोसा योजना की राह देख रहे हैं।

एनवी सुभाष
भाजपा प्रवक्ता
तेलंगाना

क्या बंगाली में बात करना अपराध है? मैं कहती हूं कि हमें एक होने की जरूरत है। मैं अपनी जान दे दूंगी, लेकिन किसी के सामने झुकूंगी नहीं। मैं बंगाल का अपमान बर्दाश्त नहीं करने वाली। आखिर आपको बंगाल के लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर फेंक देने की जल्दी क्या है?

ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री
पश्चिम बंगाल

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार).

ब्रीफ न्यूज़

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं पालिताना के बीच चलाएगी सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

मुंबई। यात्रियों की सुविधा तथा फागुन फेरी के त्योहार के दौरान यात्रा की अतिरिक्त मांग को पूरा करने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस एवं पालिताना स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09013 बांद्रा टर्मिनस – पालिताना सुपरफास्ट स्पेशल शनिवार, 28 फरवरी, 2026 को बांद्रा टर्मिनस से 11:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 00:50 बजे पालिताना पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09014 पालिताना – बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल रविवार, 01 मार्च, 2026 को पालिताना से 15:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, बोटाद, धोला, सोनगढ़ तथा सिहोर गुजरात स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास तथा जनरल सेकेंड क्लास के कोच होंगे।

माहिम फिशरमैन कॉलोनी के ग्रुप रीडेवलपमेंट पर जल्द फैसला

मुंबई। मुंबई की ऐतिहासिक माहिम फिशरमैन कॉलोनी के सामूहिक पुनर्विकास (ग्रुप रीडेवलपमेंट) को लेकर राज्य सरकार ने बड़ी राहत दी है। विधान परिषद में मंत्री शंभूराज देसाई ने स्पष्ट किया कि उपमुख्यमंत्री एवं आवास मंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में होने वाली आगामी बैठक में इस प्रस्ताव पर सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। प्रसाद लाड द्वारा उठाए गए इस मुद्दे पर चर्चा के दौरान मंत्री ने बताया कि परियोजना में हो रही देरी को देखते हुए म्हाडा (MHADA) के उपाध्यक्ष को जल्द बैठक करने और विस्तृत प्रस्ताव जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार की नई नीति के तहत मुंबई और उपनगरों में 20 एकड़ से अधिक की म्हाडा परियोजनाओं का विकास अब 'क्लस्टर मेथड' से किया जाएगा, जिससे इस सांस्कृतिक विरासत वाले क्षेत्र का कायाकल्प तेजी से सुनिश्चित हो सकेगा।

दसवीं, बारहवीं और स्नातक छात्रों के लिए निशुल्क अध्ययन कक्ष की व्यवस्था

मुंबई। धारावी जैसे सघन और चुनौतीपूर्ण वातावरण वाले क्षेत्र में विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए शांत माहौल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मनोहर जोशी महाविद्यालय में पिछले 16 वर्षों से निशुल्क अध्ययन कक्ष (स्टडी रूम) का संचालन किया जा रहा है। धारावी की संकरी गलियों और छोटे घरों के कारण छात्रों को एकाग्रता के साथ पढ़ने में आने वाली बाधाओं को देखते हुए यह पहल की गई है। इस स्टडी रूम ने अब तक कई छात्रों के भविष्य को संवारा है, यहाँ से पढ़ाई कर निकले अनेक विद्यार्थी आज डॉक्टर, इंजीनियर, वकील और निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठित पदों पर अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

अब और आरामदायक होगा कोंकण का सफर

मुंबई-मडगांव कोंकण कन्या एक्सप्रेस और मांडोवी एक्सप्रेस में 1 अतिरिक्त 3AC इकोनॉमी कोच जोड़ा जाएगा

मुंबई-सिकंदराबाद दुरंतो एक्सप्रेस संशोधित संरचना के साथ चलेगी

समय और ठहराव यथावत

रेलवे ने स्पष्ट किया है कि इन ट्रेनों के ठहराव और समय-सारणी में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यात्रियों को केवल कोच संरचना में सुधार का लाभ मिलेगा, जबकि यात्रा का समय पूर्ववत रहेगा।

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

कोंकण जाने वाले यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने अहम फैसला लिया है। 24/25 फरवरी 2026 से मुंबई-मडगांव कोंकण कन्या एक्सप्रेस और मांडोवी एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त 3AC इकोनॉमी कोच स्थायी रूप से जोड़ा जाएगा। इससे यात्रियों को अधिक आरक्षित एसी सीटें उपलब्ध होंगी।

दुरंतो एक्सप्रेस पूरी तरह एसी बनेगी

वहीं मुंबई-सिकंदराबाद दुरंतो एक्सप्रेस को 24/25 अप्रैल 2026 से पूरी तरह वातानुकूलित (AC) ट्रेन के रूप में संचालित किया जाएगा। यह ट्रेन अब संशोधित संरचना के साथ चलेगी। 12219/12220 एलटीटी-सिकंदराबाद-एलटीटी दुरंतो एक्सप्रेस में 1 फर्स्ट एसी, 4 एसी 2-टियर, 12 एसी 3-टियर, 1 पैंट्री कार और 2 जेनरेटर कार सहित कुल 20 एलएचबी कोच होंगे। ट्रेन संख्या 12219 (एलटीटी-सिकंदराबाद) 25 अप्रैल 2026 से और 12220 (सिकंदराबाद-एलटीटी) 24 अप्रैल 2026 से नई संरचना के साथ चलेगी।

कोंकण कन्या और मांडोवी एक्सप्रेस की संशोधित संरचना

ट्रेन संख्या 20111/20112 (सीएसएमटी-मडगांव-सीएसएमटी) कोंकण कन्या एक्सप्रेस और 10103/10104 (सीएसएमटी-मडगांव-सीएसएमटी) मांडोवी एक्सप्रेस अब 23 एलएचबी कोच के साथ चलेंगी। नई संरचना में 1 फर्स्ट एसी सह एसी 2-टियर, 1 एसी 2-टियर, 4 एसी 3-टियर, 3 एसी 3-टियर इकोनॉमी, 7 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 पैंट्री कार, 1 जेनरेटर कार और 1 द्वितीय सीटिंग सह लगेज-गार्ड ब्रेक वैन शामिल होगी। ट्रेन संख्या 20111 सीएसएमटी-मडगांव कोंकण कन्या एक्सप्रेस 25 फरवरी 2026 से नई संरचना में चलेगी, जबकि 20112 मडगांव-सीएसएमटी सेवा 24 फरवरी 2026 से संशोधित कोच संरचना के साथ संचालित होगी। इसी तरह 10103 सीएसएमटी-मडगांव मांडोवी एक्सप्रेस 25 फरवरी 2026 से और 10104 मडगांव-सीएसएमटी मांडोवी एक्सप्रेस भी 25 फरवरी 2026 से नई व्यवस्था के तहत चलेगी।

'डिजिटल अरेस्ट' महज एक धोखा, सावधान रहें: मुख्यमंत्री

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में 'डिजिटल अरेस्ट' के बढ़ते मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि कानून में ऐसी कोई प्रक्रिया अस्तित्व में नहीं है। विधायक अबू आजमी द्वारा उठाए गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने बताया कि यह पूरी तरह से साइबर अपराधियों द्वारा बुना गया एक मनोवैज्ञानिक जाल है। जालसाज खुद को पुलिस, सीबीआई या कस्टम अधिकारी बताकर पीड़ित को डराते हैं कि उनके नाम से आए पार्सल में ड्रग्स या प्रतिबंधित सामग्री मिली है, और फिर जांच के नाम पर उन्हें घंटों वीडियो कॉल पर 'डिजिटल अरेस्ट' रहने के लिए मजबूर करते हैं।

बड़े अधिकारी भी हुए शिकार और ठगी का तरीका

इस गिरोह की कार्यप्रणाली इतनी शातिर है कि आम नागरिकों के साथ-साथ सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी भी इनके चंगुल में फंस चुके हैं। अपराधी पीड़ित को वीडियो कॉल के दौरान स्क्रीन के सामने से हटने नहीं देते, जिससे पीड़ित किसी से मदद नहीं मांग पाता। मुख्यमंत्री ने खुलासा किया कि इस फर्जीवाड़े का मुख्य संचालन विदेशों से होता है, जबकि भारत में केवल उनके 'हैंडलर' सक्रिय रहते हैं।

तत्काल कार्रवाई और जागरूकता ही बचाव

नागरिकों को सुरक्षा मंत्र देते हुए मुख्यमंत्री ने अपील की है कि किसी भी अनजान वीडियो कॉल या धमकी से न डरें और तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। उन्होंने बताया कि यदि ठगी के तुरंत बाद (गोल्डन ऑवर में) शिकायत दर्ज कराई जाती है, तो बैंकों के समन्वय से उस राशि को फ्रीज किया जा सकता है।

अशोक कुमार दुबे ने दाखिल किया नामांकन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र और गोवा बार काउंसिल के चुनाव की प्रक्रिया तेज हो गई है। इसी क्रम में मुंबई उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता और एडवोकेट्स एसोसिएशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया (एएडब्ल्यूआई) के आजीवन सदस्य अधिवक्ता अशोक कुमार दुबे ने मंगलवार को समर्थकों की उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। बार काउंसिल के मुंबई कार्यालय में इस दौरान अधिवक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ी। उनके नामांकन के प्रस्तावक वरिष्ठ अधिवक्ता जयेश याज्ञनिक और राजनाथ पाठक रहे। मौके पर परिवारजन, सहयोगी और बड़ी संख्या में समर्थक उपस्थित थे।

26 फरवरी तक नामांकन, 24 मार्च को मतदान

नामांकन प्रक्रिया के दौरान अधिवक्ता अनिल कुमार पांडे, कमलेश मिश्रा, अभिनव दुबे, चिंतन, अमित तिवारी, राहुल पाटिल, अंकित, मृदुल, अक्षय जाधव और मुकेश चौरसिया सहित कई सहयोगियों ने समर्थन जताया। बार काउंसिल द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार नामांकन की अंतिम तिथि 26 फरवरी है, जबकि मतदान 24 मार्च को होगा। मतगणना 7 अप्रैल 2026 को निर्धारित की गई है। अशोक कुमार दुबे के चुनाव मैदान में उतरने से इस बार मुकाबला रोचक होने की संभावना जताई जा रही है।

टीएमसी में संविदा पर कार्यरत 5 हजार शिक्षक होंगे स्थाई: विधायक केलकर

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे नगर निगम में सालों से अपनी सेवा दे रहे करीब 5000 अनुबंधित श्रमिकों के लिए खुशखबरी है। बीजेपी विधायक संजय केलकर और मनपा आयुक्त सौरभ राव के बीच हुई एक संयुक्त बैठक में उन मुद्दों पर मुहर लग गई है, जो लंबे समय से फाइलों में दबे थे। अब ठेकेदारों की मनमानी नहीं चलेगी और कर्मचारियों को उनका वाजिब हक मिलेगा।

विधायक केलकर का स्टैंड

विधायक संजय केलकर ने साफ कर दिया कि ठाणे के विकास में इन कर्मचारियों का बड़ा हाथ है और उनका हक उन्हें मिलना ही चाहिए। इस फैसले के बाद कर्मचारियों में खुशी की लहर है और उन्होंने विधायक व आयुक्त का आभार जताया है।

ठेकेदारों पर नकेल और सुविधाओं की बौछार

पुणे महानगरपालिका के आयुक्त सौरभ राव ने श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए हैं, जिसमें शोषण करने वाले ठेकेदारों को तुरंत नोटिस भेजने की बात कही गई है। इस ऐतिहासिक निर्णय के बाद अब लगभग 5000 कर्मचारियों को उनके बुनियादी हक मिलना सुनिश्चित हो गया है। इन सुविधाओं में मुख्य रूप से न्यूनतम वेतन और भविष्य निधि (PF) का नियमित भुगतान शामिल है। साथ ही, अब इन श्रमिकों को स्वास्थ्य बीमा और अनुकंपा आधार पर मिलने वाले लाभों के दायरे में लाया गया है। इसके अलावा, सेवा के दौरान विरासत का अधिकार और अन्य महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं का लाभ भी इन कर्मचारियों को मिल सकेगा, जिससे उनकी आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा मजबूत होगी।

शिक्षकों और फाइलेरिया विभाग की 'जीत'

स्थाई होंगे शिक्षक: पिछले कई सालों से ठाणे के स्कूलों में पढ़ा रहे संविदा शिक्षकों को अब स्थाई करने का रास्ता साफ हो गया है। सफाई कर्मचारियों की तरह अब फाइलेरिया विभाग के 300 फील्ड वर्कर्स को भी 'विरासत का अधिकार' मिलेगा। यानी उनके परिवार के सदस्य को नौकरी और घर मिलने की सुविधा मिल सकेगी। पिछले 12 सालों से लटकी हुई 50 से ज्यादा नियुक्तियों को भी हरी झंडी मिल गई है।

मीरा-भाईंदर में भाजपा का 'शक्ति प्रदर्शन'

एआई सम्मेलन में कांग्रेस के व्यवहार पर भड़कीं महिलाएं

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

'विश्व एआई सम्मेलन 2026' में कांग्रेस के कथित 'गैरजिम्मेदाराना रवैये' की गूँज अब मीरा-रोड की सड़कों पर सुनाई दे रही है। मंगलवार को मीरारोड रेलवे स्टेशन (पूर्व) पर भाजपा महिला मोर्चा ने एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान सैकड़ों महिला कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी और कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उन पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की नाक कटवाने का आरोप लगाया। भाजपा जिला अध्यक्ष दिलीप जैन और महिला मोर्चा अध्यक्षा वैशाली ताई भोईर ने प्रदर्शन के दौरान तीखे सवाल दागे। उन्होंने कहा आज भारत 'भाषिणी' और 'भारत-जेन' जैसे अपने खुद के AI प्लेटफॉर्म्स के जरिए दुनिया का 'विश्व गुरु' बन रहा है। ऐसे समय में कांग्रेस अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश की छवि खराब कर रही है, जो पूरी तरह से 'अराजकता' है। जब सरकार एआई के जरिए खेती और इलाज को आसान बना रही है, तब विपक्ष का यह व्यवहार देश की प्रगति में रोड़ा अटकाने जैसा है।

सैकड़ों महिलाओं ने दिखाया दम

इस आंदोलन में केवल नेता ही नहीं, बल्कि आम महिला कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में जुटीं। वैशाली ताई भोईर ने साफ कहा कि भाजपा महिला मोर्चा ऐसी किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगा जो भारत की प्रतिष्ठा को चोट पहुँचाती हो। इस प्रदर्शन में हेतल परमार, जया रथिन दत्ता, सीमा शाह और स्मिता पाटिल जैसी कई नगरसेविकाओं और पदाधिकारियों ने मोर्चा संभाला। स्टेशन परिसर घंटों तक नारेबाजी से गूंजता रहा।

बिल्ड इंडिया इंफ्रा अवॉर्ड्स 2026

पश्चिम रेलवे दो पुरस्कारों से सम्मानित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे ने नई दिल्ली में आयोजित बिल्ड इंडिया इंफ्रा अवॉर्ड्स 2026 में दो प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार जीतकर अपनी उत्कृष्टता का लोहा मनवाया है। 24 फरवरी, 2026 को आयोजित इस भव्य समारोह में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना सहित कई केंद्रीय मंत्रियों की गरिमामय उपस्थिति रही। रेलवे क्षेत्र के लिए यह सम्मान वी. सोमन्ना द्वारा प्रदान किया गया, जिसे पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने प्राप्त किया।

9000 HP विद्युत इंजन: आत्मनिर्भर भारत की नई शक्ति

निर्माण उत्कृष्टता की श्रेणी में पश्चिम रेलवे को गुजरात के दाहोद में निर्मित देश के पहले 9000 हॉर्सपावर (HP) विद्युत इंजन के लिए सम्मानित किया गया। यह उच्च क्षमता वाला इंजन न केवल भारतीय रेल की माल ढुलाई क्षमता को बढ़ाएगा, बल्कि परिचालन दक्षता में भी क्रांतिकारी बदलाव लाएगा।

मुंबई सेंट्रल का डिजिटल लाउंज: आधुनिक यात्री सुविधाओं का संगम

दूसरी सफलता मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर स्थापित अत्याधुनिक डिजिटल लाउंज एवं को-वर्किंग स्पेस के रूप में मिली। लगभग 1700 वर्ग फुट में फैली इस सुविधा को 'नवाचार और गैर-भाड़ा राजस्व सृजन' के लिए सराहा गया है। यह लाउंज आज के डिजिटल युग के पेशेवरों और बिजनेस यात्रियों के लिए तैयार किया गया है, जहाँ उन्हें हाई-स्पीड वाई-फाई, कॉन्फ्रेंस रूम और वर्चुअल मीटिंग स्पेस के साथ-साथ रिफ्रेशमेंट की सुविधा भी मिलती है।

पश्चिम रेलवे चलाएगी होली के अवसर पर दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

मुंबई। यात्रियों की सुविधा तथा होली पर्व के दौरान बढ़ी हुई यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए, पश्चिम रेलवे दादर – नई दिल्ली एवं वलसाड – मऊ के बीच विशेष किराये पर दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 04001 दादर – नई दिल्ली स्पेशल हर शुक्रवार को 00:05 बजे दादर से प्रस्थान कर उसी दिन 21:05 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। यह ट्रेन 27 फरवरी, 2026 एवं 06 मार्च, 2026 को चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04002 नई दिल्ली – दादर स्पेशल हर बुधवार को 22:40 बजे नई दिल्ली से प्रस्थान कर अगले दिन 22:40 बजे दादर पहुंचेगी। यह ट्रेन 25 फरवरी, 2026 एवं 04 मार्च, 2026 को चलेगी। मार्ग में यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, मथुरा एवं कोसी कलां स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर एवं एसी 3-टियर के कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 05018/05017
वलसाड – मऊ स्पेशल

ट्रेन संख्या 05018 वलसाड – मऊ स्पेशल हर रविवार को 15:10 बजे वलसाड से प्रस्थान कर मंगलवार को 00:45 बजे मऊ पहुंचेगी। यह ट्रेन 01 मार्च एवं 08 मार्च, 2026 को चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 05017 मऊ – वलसाड स्पेशल हर शनिवार को 03:45 बजे मऊ से प्रस्थान कर अगले दिन 12:35 बजे वलसाड पहुंचेगी।

राशिफल

प्रियंका जैन

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष बकाया वसूली समय पर होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाग्य अनुकूल है। समय का लाभ लें।

वृष तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। किसी जानकार व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में गति आएगी। व्यापारी वर्ग लाभ की वृद्धि का आनंद ले सकता है। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। सावधानी आवश्यक है। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मिथुन कोर्ट-कचहरी व सरकारी कार्यालयों में रुके कामों में अनुकूलता रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। दांपत्य जीवन में आनंद बना रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा। किसी भी तरह के विवाद में न पड़ें। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में गति बनी रहेगी।

कर्क पुराना रोग परेशानी का कारण रहेगा। सेहत पर विशेष ध्यान दें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। समय नेष्ट है। वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है। कारोबारी लाभ में वृद्धि होगी। आय बनी रहेगी।

सिंह किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग अपने क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करेगा। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। सभी क्षेत्रों में सफलता प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

कन्या धर्म-कर्म में आस्था बढ़ेगी। आर्थिक उन्नति व कार्यप्रणाली सुधारने के लिए नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। सामाजिक सेवाकार्य करने के लिए प्रेरणा मिलेगी। मान-सम्मान मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

तुला आशा व निराशा के बीच समय गुजरेगा। आर्थिक परेशानी रहेगी। फालतू खर्च होगा। बजट बिगड़ेगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। समय पर काम नहीं होने से तनाव रहेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। वाणी में हल्के शब्दों का प्रयोग न करें।

वृश्चिक भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। कारोबारी बड़ा लाभ हो सकता है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। नौकरी में उच्चाधिकारियों की प्रसन्नता प्राप्त होगी। प्रशंसा मिलेगी। जल्दबाजी व अति उत्साह में कोई कार्य न करें।

धनु कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेवजह तनाव व चिंता रहेंगे। मामूली बात पर विवाद हो सकता है। कारोबार में लाभ होगा। मन में संवेदनशीलता बनी रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। नौकरी में कार्यभार रहेगा। विवाद से दूर रहें।

मकर पुराने संगी-साथी तथा रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। किसी लंबी यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि तथा समस्या में कमी करेगा।

कुंभ प्रयास सफल रहेंगे। काफी समय से लंबित कार्य पूर्ण होने के योग हैं। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा किसी वरिष्ठ व्यक्ति से प्राप्त होगी। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ फल देगा।

मीन नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ फल देगा। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। प्रमाद से बचें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

घर की सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि बढ़ाने वाले सरल और प्रभावी वास्तु उपाय

प्रियंका जैन

भारतीय परंपरा में घर को केवल रहने का स्थान नहीं माना गया, बल्कि इसे ऊर्जा का केंद्र समझा गया है। हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्ष पहले ही यह समझ लिया था कि जिस स्थान पर हम रहते हैं, उसकी दिशा, वस्तुओं की स्थिति, स्वच्छता और वातावरण हमारे जीवन, मन और भाग्य पर गहरा प्रभाव डालते हैं। इसी ज्ञान को आगे चलकर वास्तु शास्त्र के रूप में व्यवस्थित किया गया। वास्तु का मूल सिद्धांत यह है कि प्रकृति के पांच तत्व—पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश—जब संतुलित अवस्था में होते हैं, तब घर में सुख, शांति, समृद्धि और स्वास्थ्य बना रहता है। यदि इन तत्वों का संतुलन बिगड़ जाए, तो जीवन में बाधाएं, तनाव, आर्थिक समस्याएं और मानसिक अशांति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए वास्तु में कुछ सरल और उपयोगी उपाय बताए गए हैं, जिन्हें अपनाकर हम अपने घर की ऊर्जा को सकारात्मक बना सकते हैं।

घर की स्वच्छता वास्तु का सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण नियम है। झाड़ू और पोछा घर की सफाई के साधन हैं, लेकिन इन्हें खुले में रखना उचित नहीं माना जाता। झाड़ू को हमेशा ऐसी जगह रखें जहां वह दिखाई न दे, क्योंकि यह दरिद्रता और नकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। विशेष रूप से झाड़ू को रसोई में रखना बिल्कुल नहीं चाहिए, क्योंकि रसोई घर की समृद्धि और अन्न का स्थान होती है। इसी प्रकार घर में टूटा हुआ शीशा कभी नहीं रखना चाहिए। टूटा हुआ शीशा न केवल अशुभ माना जाता है, बल्कि यह मानसिक तनाव और भ्रम का कारण भी बन सकता है। शीशा हमेशा साफ और सही स्थिति में होना चाहिए, क्योंकि यह ऊर्जा को प्रतिबिंबित करता है।

शौचालय का दरवाजा हमेशा बंद रखना चाहिए, क्योंकि खुला शौचालय नकारात्मक ऊर्जा का स्रोत माना जाता है। यदि शौचालय का दरवाजा खुला रहता है, तो उसकी नकारात्मक ऊर्जा पूरे घर में फैल सकती है, जिससे मानसिक और शारीरिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसी तरह घर के मुख्य द्वार पर कभी भी कूड़ादान नहीं रखना चाहिए। मुख्य द्वार से ही सकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश करती है, और यदि वहां गंदगी या कूड़ादान रखा हो, तो यह ऊर्जा बाधित हो जाती है।

कपूर को वास्तु में अत्यंत पवित्र और प्रभावशाली माना गया है। कपूर वातावरण को शुद्ध करता है और नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करता है। घर में सुख और शांति बनाए रखने के लिए सुबह और शाम घी में डुबोकर कपूर जलाना अत्यंत लाभकारी होता है। यह न केवल वातावरण को सुगंधित बनाता है, बल्कि मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा भी प्रदान करता है। यदि घर में किसी स्थान पर वास्तु दोष हो, तो वहां कपूर की दो टिकिया रखनी चाहिए। जब वह समाप्त हो जाए, तो पुनः नई टिकिया रख दें। शुद्ध कपूर वह होता है, जो 24 घंटे में अपने आप समाप्त या वाष्पित हो जाए।

न्यूज़ ब्रीफ

सिंगापुर के डिप्टी पीएम और गृह मंत्री से मिले योगी आदित्यनाथ

सिंगापुर/लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने सिंगापुर दौरे के दूसरे दिन वहां के उप-प्रधानमंत्री एवं व्यापार-उद्योग मंत्री गान किम योंग और राष्ट्रीय सुरक्षा समन्वयक एवं गृह मंत्री के. शनमुगम से मुलाकात कर औद्योगिक निवेश और संस्थागत सहयोग पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के तहत शहरी नियोजन, डिजिटल गवर्नेंस और आंतरिक सुरक्षा ढांचे में सिंगापुर की विशेषज्ञता के उपयोग पर विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने राज्य के 'प्रो-बिजनेस' वातावरण, बड़े लैंड बैंक और शीघ्र शुरू होने वाले नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर की कनेक्टिविटी को निवेश के प्रमुख आधार के रूप में प्रस्तुत किया। सिंगापुर की कंपनियों ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में औद्योगिक टाउनशिप, सेमीकंडक्टर निर्माण और ग्रीन हाइड्रोजन मॉड्यूल जैसे क्षेत्रों में संभावनाओं पर रुचि दिखाई। वहीं, के. शनमुगम के साथ वार्ता में तकनीक-आधारित पुलिसिंग, आपदा प्रबंधन और कानून-व्यवस्था के आधुनिकीकरण पर सहयोग की संभावनाएं तलाशी गईं। मुख्यमंत्री ने सिंगापुर के निवेशकों को लॉजिस्टिक्स और डेटा सेंटर सेक्टर में निवेश का आमंत्रण देते हुए भरोसा दिलाया कि सिंगल-विंडो क्लीयरेंस और सरलीकृत नियामकीय प्रक्रियाओं से परियोजनाओं की समय-सीमा में उल्लेखनीय तेजी आई है।

संभल शाही जामा मस्जिद विवाद : सुनवाई टली

संभल। जनपद संभल स्थित शाही जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर होने का दावा करने वाली याचिका पर जिला न्यायालय में प्रस्तावित सुनवाई सोमवार को स्थगित कर दी गई। सुप्रीम कोर्ट में प्रकरण लंबित होने और वहां से जारी स्थगन आदेश के मद्देनज़र सिविल जज (सीनियर डिवीजन) आदित्य सिंह की अदालत ने अगली तिथि 24 मार्च 2026 निर्धारित की है। यह याचिका 19 नवंबर 2024 को आठ याचियों की ओर से दायर की गई थी, जिसमें सदर तहसील क्षेत्र स्थित शाही जामा मस्जिद संभल को प्राचीन हरिहर मंदिर बताया गया है। मामले में पूर्व में 8 जनवरी को सुनवाई हुई थी, जबकि सोमवार को पुनः विचार निर्धारित था। वादी पक्ष के अधिवक्ता श्रीगोपाल शर्मा के अनुसार, निचली अदालत द्वारा कराए जाने वाले सर्वे आदेश को मस्जिद पक्ष ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने सिविल न्यायालय के आदेश को वैध ठहराते हुए याचिका खारिज कर दी। इसके पश्चात मस्जिद पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, जहां से स्थगन आदेश जारी है। अधिवक्ता ने बताया कि शीर्ष अदालत में एक बार सुनवाई हो चुकी है, किंतु अंतिम आदेश अभी पारित नहीं हुआ है, जिसके चलते स्थगन प्रभावी है।

छत्तीसगढ़ के इतिहास का सबसे बड़ा जंबो बजट पेश

1.72 लाख करोड़ का 'संकल्प' बजट

- विष्णु देव साय सरकार के कार्यकाल का तीसरा बजट
- हर क्षेत्र को मिली तवज्जो, बस्तर-सरगुजा फोकस में

एजेंसी । रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1.72 लाख करोड़ रुपये का वार्षिक बजट विधानसभा में प्रस्तुत किया। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने इसे राज्य के इतिहास का सबसे बड़ा बजट बताते हुए 'संकल्प' थीम पर केंद्रित दस्तावेज करार दिया। यह विष्णु देव साय सरकार का तीसरा बजट है, जिसमें समावेशी विकास, अधोसंरचना विस्तार, निवेश प्रोत्साहन, कौशल विकास और अंत्योदय को प्राथमिकता दी गई है।

बस्तर-सरगुजा के लिए विशेष पैकेज

नक्सल प्रभाव से उबर रहे बस्तर और सरगुजा अंचल के लिए स्वास्थ्य, सड़क और कनेक्टिविटी पर विशेष प्रावधान किए गए हैं। दोनों संभागों में डॉक्टरों की भर्ती, सड़क नेटवर्क विस्तार और बस सेवा के लिए बजट में अलग मद शामिल है।

अबूझमाड़, जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी

अबूझमाड़ और जगरगुंडा में दो एजुकेशन सिटी स्थापित की जाएंगी, जिनके लिए 100-100 करोड़ रुपये निर्धारित हैं। निवेश प्रोत्साहन अनुदान हेतु 100 करोड़ रुपये तथा बस्तर ओलंपिक व बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों के लिए 5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

उपचार के लिए 1500 करोड़ रुपये

शहीद वीरनारायण सिंह आयुष्मान योजना के तहत सरकारी व निजी अस्पतालों में प्रति परिवार 5 लाख रुपये तक के उपचार के लिए 1,500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मितानिन कल्याण निधि के लिए 350 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। कुनकुरी, मनेन्द्रगढ़ और दंतेवाड़ा में तीन नए मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की घोषणा की गई है। रायपुर स्थित मेकाहारा में एआई आधारित स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 10 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

उच्चीकृत होंगी सड़कें

मुख्यमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत 200 करोड़ रुपये से 36 सड़कों का उन्नयन होगा। बिलासपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर एयरपोर्ट के विकास हेतु 80 करोड़ रुपये अतिरिक्त दिए गए हैं। मुख्यमंत्री आदर्श शहर समृद्धि योजना के लिए 200 करोड़ रुपये तथा पांच नालंदा लाइब्रेरी के लिए 22 करोड़ रुपये का प्रावधान है।

1.58 लाख करोड़ का 'अबुआ दिशोम' बजट पेश

रांची। झारखंड विधानसभा में वित्त मंत्री राधाकृष्णन किशोर ने 2026-27 के लिए 1,58,560 करोड़ रुपये का बजट पेश किया, जो पिछले वर्ष से करीब 9% अधिक है। 'अबुआ दिशोम' नामक इस बजट में स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा और गरीबी उन्मूलन को प्राथमिकता दी गई है।

निशुल्क बिजली के लिए 354 करोड़

इंद्रावती क्षेत्र में मटनार और देउरगांव में बैराज निर्माण के लिए 24 करोड़ रुपये तथा संबंधित परियोजनाओं के लिए 68 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। निशुल्क बिजली योजना के लिए 354 करोड़ रुपये निर्धारित हैं। बजट पेश करने से पूर्व वित्त मंत्री ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने इसे राज्य के समग्र और संतुलित विकास की दिशा में निर्णायक कदम बताया।

गूगल मैप ने दिखाया घने जंगलों का रास्ता

- एसडीआरएफ ने रात में चलाया रेस्क्यू अभियान

एजेंसी । रुद्रप्रयाग

उत्तराखंड के सोनप्रयाग क्षेत्र में गूगल मैप के निर्देशों का अनुसरण करते हुए एक बुजुर्ग यात्री घने जंगल में रास्ता भटक गया। सूचना मिलते ही राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) ने देर रात अभियान चलाकर उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

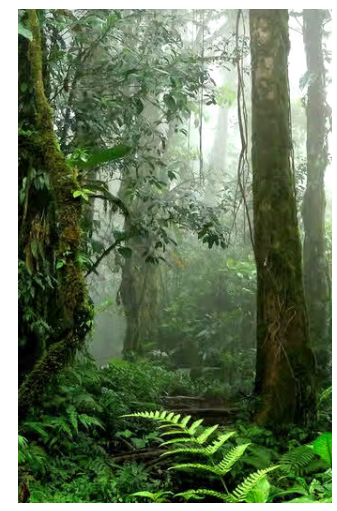

आधी रात दो किमी घूमी रेस्क्यू टीम

जानकारी के अनुसार सोमवार रात थाना सोनप्रयाग से एसडीआरएफ को सूचना मिली कि मुनकटिया से करीब डेढ़ किलोमीटर आगे वन क्षेत्र में एक व्यक्ति भटक गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उपनिरीक्षक संतोष परिहार के नेतृत्व में टीम तत्काल रवाना हुई। अंधेरा, ऊबड़-खाबड़ रास्ता और घना जंगल—इन सभी बाधाओं के बीच जवानों ने लगभग दो किलोमीटर तक पैदल सर्च ऑपरेशन चलाया।

एमपी का निवासी है बुजुर्ग राजभवन

करीब खोजबीन के बाद टीम ने लापता व्यक्ति को चिन्हित कर सुरक्षित रेस्क्यू किया। पूछताछ में पता चला कि मध्य प्रदेश के सीधी जिले के गोपदबनास थाना क्षेत्र अंतर्गत बाटोली निवासी 62 वर्षीय राजभवन कोल सोनप्रयाग से आगे बढ़ते समय डिजिटल मैप के बताए मार्ग पर चल पड़े, जो उन्हें मुख्य मार्ग से हटाकर जंगल की ओर ले गया।

जंगलों में डिजिटल नेवगिशन कारगर नहीं

एसडीआरएफ ने प्राथमिक सहायता देने के बाद उन्हें सकुशल स्थानीय पुलिस के सुपुर्द कर दिया। प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि पर्वतीय और वन क्षेत्रों में डिजिटल नेविगेशन पर पूर्ण निर्भरता से बचें और स्थानीय मार्गदर्शन अवश्य लें।

शार्ट सर्किट से लगी आग में छह जिंदा जले

- देर रात तिमंजिला मकान में हुआ दर्दनाक हादसा
- काल का शिकार होने वालों में पांच बच्चे शामिल

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में सोमवार देर रात एक रिहायशी मकान में लगी आग ने पूरे परिवार को तबाह कर दिया। लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के किदवई नगर स्थित तीन मंजिला

संकरी गलियों ने रोका ब्रिगेड का रास्ता

पड़ोसियों ने तत्काल पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। संकरी गलियों के कारण दमकल वाहनों को मौके तक पहुंचने में कठिनाई हुई। पुलिस और फायरकर्मियों ने आसपास के मकानों की छतों के रास्ते पहुंचकर राहत-बचाव कार्य शुरू किया। झुलसे लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां छह को मृत घोषित कर दिया गया।

चलती मगध एक्सप्रेस में गूंजी किलकारी

- आरपीएफ ने जच्चा-बच्चा को सुरक्षित पहुंचाया अस्पताल

मीरजापुर। चलती ट्रेन में प्रसव पीड़ा उठने से उत्पन्न आपात स्थिति को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने तत्परता से संभालते हुए मां और नवजात को सुरक्षित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई। घटना गाड़ी संख्या 20801 मगध एक्सप्रेस में सोमवार देर रात की है। जानकारी के अनुसार 35 वर्षीय पूर्णिया देवी अपने पति सुधीर मांझी और दो बच्चों के साथ इस्लामपुर से कानपुर की यात्रा कर रही थीं।

हर दिन गई 18 लोगों की जान

- छत्तीसगढ़ में सड़क हादसों की स्थिति चिंताजनक
- परिवहन मंत्री ने बताया- एक वर्ष में 6,898 मौतें

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सड़क दुर्घटनाओं को लेकर चिंताजनक आंकड़े सामने आए हैं। विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन प्रश्नकाल के दौरान परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने सदन को बताया कि बीते एक वर्ष में राज्य में 6,898 लोगों की जान सड़क हादसों में गई।

नहीं दे पाए सिटी बसों का आंकड़ा

हालांकि, जब रायपुर में संचालित सिटी बसों की संख्या और विस्तार योजना पर प्रश्न किया गया तो मंत्री सटीक आंकड़े प्रस्तुत नहीं कर सके और जानकारी बाद में उपलब्ध कराने की बात कही। सदन में सड़क सुरक्षा, सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारियों को लेकर सरकार को विपक्ष के तीखे प्रश्नों का सामना करना पड़ा।

व्यापार जगत

IT सेक्टर डुबोई नैया, 3.38 लाख करोड़ का घाटा

- आईटी शेयरों में भारी बिकवाली से बाजार धड़ाम
- बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

एजेंसी । नई दिल्ली

कमजोर वैश्विक संकेतों और आईटी सेक्टर में तेज बिकवाली के दबाव में घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। रुपये की कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने भी धारणा को प्रभावित किया। कारोबार के अंत में BSE Sensex 1.28% टूटकर 82,225.92 पर और Nifty 50 1.12% फिसलकर 25,424.65 पर बंद हुआ।

दिन के दौरान आईटी इंडेक्स में 4.74% की गिरावट दर्ज की गई। Tech Mahindra, HCL Technologies, Infosys और Tata Consultancy Services जैसे दिग्गज शेयरों में तीखी गिरावट रही। रियल्टी, बैंकिंग और ऑटो सेक्टर भी दबाव में रहे, जबकि ऑयल-गैस, मेटल और एफएमसीजी शेयरों में सीमित खरीदारी दिखी।

मार्केट कैप 465.81 करोड़ रुपये बचा

बाजार पूंजीकरण के मोर्चे पर निवेशकों को बड़ा झटका लगा। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप घटकर 465.81 लाख करोड़ रुपये रह गया, जिससे एक ही दिन में करीब 3.38 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति साफ हो गई। व्यापक बाजार में भी कमजोरी रही—मिडकैप इंडेक्स 0.30% और स्मॉलकैप 0.55% नीचे बंद हुए। कुल मिलाकर, आईटी सेक्टर की आंधी ने पूरे बाजार का रुख तय किया और निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक असर छोड़ा।

निधि छिब्बर को सीईओ का अतिरिक्त प्रभार

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी निधि छिब्बर को नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। वह वर्तमान में नीति आयोग के विकास निगरानी एवं मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ) की महानिदेशक हैं।

मौजूदा सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम का तीन वर्षीय कार्यकाल पूर्ण होने के बाद यह जिम्मेदारी अंतरिम रूप से छिब्बर को दी गई है। 1994 बैच की छत्तीसगढ़ कैडर की आईएएस अधिकारी छिब्बर प्रशासनिक और शैक्षिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा चुकी हैं। वह इससे पहले वह सीबीएसई (Central Board of Secondary Education) की अध्यक्ष रह चुकी हैं, जहां उन्होंने परीक्षा प्रणाली और संस्थागत सुधारों की निगरानी की थी।

AI के 'भूत' से भयभीत आईटी सेक्टर

- 2008 के बाद से सबसे बड़ा मासिक दबाव

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर बढ़ती अनिश्चितता ने आईटी सेक्टर पर गहरा असर डाला है। फरवरी 2026 में बिकवाली का दबाव इतना तीव्र रहा कि निफ्टी आईटी इंडेक्स 20 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया, जो सितंबर 2008 के बाद की सबसे बड़ी मासिक गिरावट मानी जा रही है। इंडेक्स में शामिल सभी 10 कंपनियों के शेयर दोहरे अंकों में टूट चुके हैं, जिनमें छह में 20 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज हुई है। सबसे ज्यादा दबाव Coforge पर रहा, जिसके शेयर इस वर्ष अब तक लगभग 25 प्रतिशत गिर चुके हैं। Wipro और Persistent Systems में करीब 23.5 प्रतिशत की कमजोरी आई है, जबकि LTIMindtree 22 प्रतिशत से अधिक टूट चुका है।

12 से 20 प्रतिशत की गिरावट

देश की प्रमुख आईटी कंपनियों में Infosys करीब 20 प्रतिशत और Tata Consultancy Services लगभग 19 प्रतिशत नीचे आ चुकी है। HCL Technologies, Mphasis, Oracle Financial Services Software और Tech Mahindra में भी 12 से 20 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। विश्लेषकों का मानना है कि एआई से संभावित बिजनेस मॉडल बदलाव, ऊंचे वैल्यूएशन और डी-रेटिंग की आशंका ने निवेशकों को सतर्क कर दिया है। हालांकि, अधिकांश ब्रोकरेज हाउस लंबी अवधि में 22 से 50 प्रतिशत तक रिकवरी की संभावना जता रहे हैं। फिलहाल बाजार की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि एआई का वास्तविक प्रभाव आईटी कंपनियों की आय और ऑर्डर बुक पर कितना पड़ता है।

रेवा डायमंड ज्वेलरी का ₹380 करोड़ का IPO खुला

चार मार्च को संभावित लिस्टिंग

एजेंसी । नई दिल्ली

ज्वेलरी निर्माता पीएनजीएस (PNGS Reva Diamond Jewellery Limited) ने 380 करोड़ रुपये का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए खोल दिया है। बोली 26 फरवरी तक लगाई जा सकेगी, जबकि शेयरों की संभावित लिस्टिंग 4 मार्च को BSE और National Stock Exchange of India पर हो सकती है। दोपहर तक इश्यू को सीमित, लगभग 0.05% सब्सक्रिप्शन मिला था।

इश्यू का प्राइस बैंड 367-386 प्रति शेयर तय है और न्यूनतम लॉट 32 शेयर का है। कुल 98.44 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। आवंटन 27 फरवरी को प्रस्तावित है, जबकि शेयर 2 मार्च तक डीमैट खातों में क्रेडिट किए जाएंगे। इश्यू में 75% हिस्सा क्यूआईबी, 15% एनआईआई और 10% रिटेल निवेशकों के लिए आरक्षित है। बुक रनिंग लीड मैनेजर स्मार्ट होराइजन कैपिटल एडवाइजर्स और रजिस्ट्रार बिगशेयर सर्विसेज हैं।

एंकर निवेशकों ने जुटाए 170.58 करोड़

लॉन्च से पहले कंपनी ने एंकर निवेशकों से 170.58 करोड़ जुटाए। वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, मुनाफा और राजस्व में उतार-चढ़ाव रहा है, जबकि हाल के वर्षों में कर्ज बढ़ा है। प्रबंधन का कहना है कि जुटाई गई राशि का उपयोग विस्तार और परिचालन मजबूती के लिए किया जाएगा।

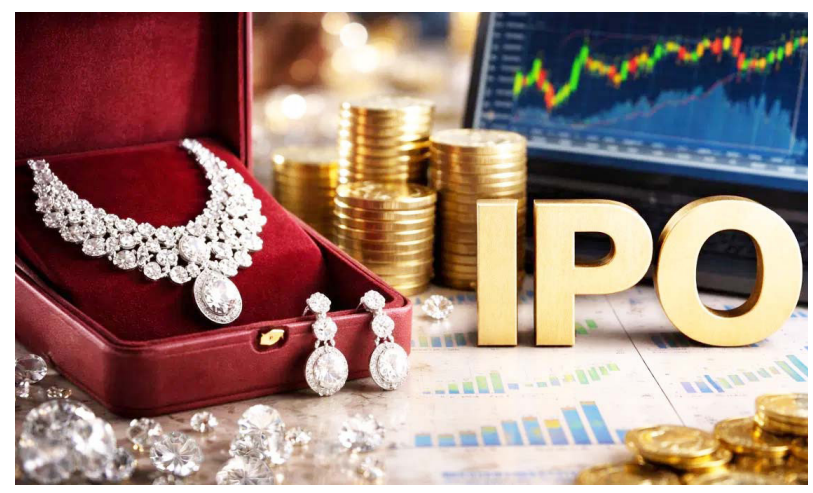

श्रीलंका को चाहिए हर हाल में जीत

सुपर आठ के दूसरे मुकाबले में आज न्यूजीलैंड से होगी टक्कर

एजेंसी । कोलंबो

कोलंबो में टी-20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में श्रीलंका को न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज करनी ही होगी, ताकि उसकी आगे की उम्मीदें कायम रहें। मेजबान टीम की बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत है, खासकर स्पिन गेंदबाजों के सामने। पल्लेकेले की धीमी पिच पर इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंकाई बल्लेबाजों की रणनीति फेल रही थी, जिससे टीम को पिछली हार का सामना करना पड़ा।

पिच की चुनौती

श्रीलंका की पिचें भारत की तुलना में बल्लेबाजी के लिए अधिक कठिन मानी जाती हैं। प्रेमदासा पिच पर भी यही स्थिति रहने की संभावना है। बड़ी बाउंड्री और धीमी पिच के कारण छक्के लगाना मुश्किल है। ऐसे में बल्लेबाजों को अपनी स्ट्राइक रोटेशन और शॉट चयन पर विशेष ध्यान देना होगा।

पहली हार से मिली सीख

सुपर आठ के पहले मैच में मिली करारी हार के बाद टीम के शॉट चयन पर सवाल उठाए गए थे। श्रीलंका को अपनी इन गलतियों से सबक लेना होगा और रणनीति में सुधार करना होगा। दोनों टीमें सुपर आठ में पहली जीत के लिए पूरी ताकत लगाएंगी।

बल्लेबाजी कोच की राय

श्रीलंका के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि टी-20 में अधिक रन बनाने की कोशिश स्वाभाविक है, लेकिन गेंद सही से बल्ले पर नहीं आ रही हो तो जोखिम उठाना उचित नहीं। उन्होंने बताया कि कुछ बल्लेबाज जल्दी रन बनाने की कोशिश में आउट हो गए। ऐसे विकेट पर संयम और सही शॉट चयन अधिक फायदेमंद होता।

मुख्य बल्लेबाजों पर निर्भरता

पाथुम निसांका ने शानदार बल्लेबाजी की है और कुसल मेंडिस का भी अच्छा साथ रहा। टीम को इन दोनों से बड़ी पारियों की उम्मीद रहेगी। पवन और दासुन शनाका को भी इनके साथ योगदान देना होगा। पवन ने अब तक एक अर्धशतक बनाकर 137 रन बनाए हैं, जबकि शनाका अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं।

नंबर गेम

6	मैच विश्व कप में दोनों ने खेले हैं जिसमें से दो न्यूजीलैं और तीन श्रीलंका ने जीते हैं। एक बेनतीजा रहा है
65	रन से हराया था न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 2022 में खेले गए विश्व कप के पिछले मुकाबले में
208	रन सर्वाधिक श्रीलंका के निसंका ने 154.07 की स्ट्राइक रेट से बनाए हैं
173	रन न्यूजीलैंड के लिए सर्वाधिक सीफर्ट ने 167.96 की स्ट्राइक रेट से बनाए हैं

स्पिन गेंदबाजी का असर

श्रीलंका के बाएं हाथ के स्पिनर दुनिथ वेल्लालागे और महीष तीक्षणा अपनी फिरकी से प्रभाव डाल सकते हैं। वहीं न्यूजीलैंड के पास भी मिचेल सेंटनर सहित अच्छे स्पिनर हैं, जो श्रीलंका के बल्लेबाजों के लिए चुनौती पेश करेंगे। पिछली बारिश के कारण न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के साथ अंक साझा किया था, अब मैच पूरी संभावना के साथ खेला जाएगा।

आमने-सामने

कुल मैच	: 28
न्यूजीलैंड जीता	: 16
श्रीलंका जीता	: 11
बेनतीजा	: 1

न्यूजीलैंड की मजबूत बल्लेबाजी

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन और टिम सीफर्ट ने ग्रुप चरण में शानदार खेल दिखाया है। इसके अलावा रचिन, कॉन्वे, फिलिप्स और चैपमैन से भी टीम को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। अगर उनका बल्ला चलता है, तो श्रीलंकाई गेंदबाजों के लिए परेशानी बढ़ सकती है।

विश्व चैंपियन भारत पहले ही वनडे में पस्त

ऑस्ट्रेलिया ने पहले वनडे में भारत को छह विकेट से हराया

एजेंसी । ब्रिस्बेन

ब्रिस्बेन में खेले गए पहले महिला वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को छह विकेट से करारी शिकस्त दी। बेथ मूनी और कप्तान एलिसा हीली की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 38.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। भारत के लिए यह पहला वनडे था, जो पिछले साल नवंबर में विश्व चैंपियन बनने के बाद खेला गया।

नंबर गेम

3	हजार रन वनडे में पूरे किए बेथ मूनी ने। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली ऑस्ट्रेलिया की सातवीं खिलाड़ी हैं
1	हजार रन सदरलैंड ने वनडे में पूरे किए। उन्होंने अपने 50वें मैच में ऐसा किया। वह 1029 रन बना चुकी हैं

भारत की बल्लेबाजी: अर्धशतकों के बावजूद नाकामी

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत की टीम 48.3 ओवर में 214 रन पर ढेर हो गई। हरमनप्रीत कौर (53) और स्मृति मंधाना (58) ने अर्धशतक जड़े, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम बड़े स्कोर तक नहीं पहुँच सकी। शेफाली वर्मा तीसरे नंबर पर उतरीं लेकिन सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हुईं। अंत में काशवी गौतम (43) और रिचा (23) ने स्कोर को 200 पार पहुंचाया।

ऑस्ट्रेलिया की जबरदस्त साझेदारी

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत हीली (50) और फोबे लिचफील्ड (32) की 55 रनों की साझेदारी से मजबूत रही। इसके बाद हीली और मूनी ने तीसरे विकेट के लिए 64 रन और मूनी-सदरलैंड ने चौथे विकेट के लिए 85 रन जोड़े। बेथ मूनी ने सर्वाधिक 76 रन बनाए जबकि एनाबेल सदरलैंड नाबाद 48 रन बनाकर जीत की औपचारिकता पूरी की।

भारतीय गेंदबाजी में गार्डनर की बढ़त

भारत के लिए श्री चरणी ने दो जबकि क्रांति गौड़ और दीप्ति ने एक-एक विकेट लिए। एश्ले गार्डनर ने जेमिमा आउट कर ऑस्ट्रेलिया के लिए दो विकेट झटके। प्रतिका और शेफाली को शुरुआती ओवरों में आउट करना भारत के लिए महत्वपूर्ण मौका था, लेकिन लगातार विकेट गिरने के बावजूद लक्ष्य को रोकने में भारतीय गेंदबाज सफल नहीं हो सके।

विश्व चैंपियन गुकेश को झेलनी होगी कड़ी चुनौती

एजेंसी । प्राग

विश्व चैंपियन डी गुकेश विश्व कप से जल्दी बाहर होने और टाटा मास्टर्स में निराशाजनक प्रदर्शन को भुलाकर बुधवार से यहां शुरू होने वाले प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव में साल का पहला खिताब जीतने की कोशिश करेंगे।

विंसेंट देंगे टक्कर

दूसरे वरीय गुकेश को शीर्ष वरीय जर्मन खिलाड़ी विंसेंट कीमर और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा, जिनका हाल का प्रदर्शन अच्छा रहा है। कीमर लाइव रेटिंग में चौथे जबकि अब्दुसत्तोरोव पांचवें स्थान पर हैं।

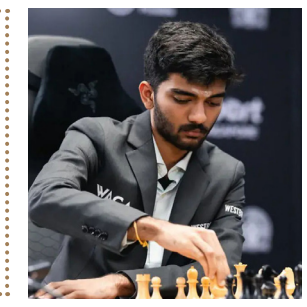

डोपिंग टेस्ट से बचने पर धाविका पूजा आत्माराम पर प्रतिबंध

एजेंसी । नई दिल्ली

एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने खुलासा किया है कि भारत की लंबी दूरी की धाविका पूजा आत्माराम पिछले साल प्रतियोगिता के दौरान होने वाले डोप परीक्षण से पहले घबराकर भाग गई थीं। यह अपराध स्वीकार करने के बाद उन पर चार के बजाय तीन साल का प्रतिबंध लगाया गया है।

पिछले साल टेस्ट के लिए बुलाया था

30 वर्षीय पूजा 5000 मीटर और 10,000 मीटर स्पर्धाओं में भाग लेती हैं। उन्होंने 2024 में राजस्थान की तरफ से इंडियन ग्रां प्री दो में तीसरा स्थान हासिल किया था, जो उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

भीड़ में भाग गई

मौखिक सूचना मिलने के बाद एथलीट को फिनिश लाइन से डोपिंग कंट्रोल स्टेशन (डीसीएस) तक ले जाने के लिए एक सहायक साथ में था। इसी दौरान एथलीट सहायक से अलग होकर भीड़ में भाग गई। पर्यवेक्षक ने एथलीट का पता लगाने की कोशिश की और तुरंत अधिकारियों को सूचित किया। उन्होंने इस संबंध में दौड़ के निदेशक को भी जानकारी दी। निदेशक ने उनसे फोन पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने किसी भी कॉल का जवाब नहीं दिया।

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए करेगा दक्षिण अफ्रीका का दौरा

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया तीन टेस्ट मैच और इतने ही वनडे मैचों की सीरीज के सितंबर-अक्तूबर में दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा। पिछले साल जून में लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जीत के बाद दोनों टीमें पहली बार टेस्ट मैच खेलेंगी। दक्षिण अफ्रीका ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतकर 37 साल में पहली बार कोई बड़ी ट्रॉफी जीती थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने मंगलवार को बताया कि वनडे 24 सितंबर को डरबन, 27 को जोहानिसबर्ग और 30 सितंबर को पोटचेफस्ट्रूम में खेले जाएंगे। इसके बाद 3-4 अक्तूबर को पोटचेफस्ट्रूम में दो दिवसीय अभ्यास मैच खेला जाएगा।

भारत-पाकिस्तान की महिला टीमें 14 जून को भिड़ेंगी

12 टीमों के बीच 24 दिन में कुल 33 मुकाबले खेले जाएंगे

टी-20 विश्व कप

लंदन। भारत और पाकिस्तान क्रिकेट टीम को महिला टी-20 विश्व कप के एक ही ग्रुप में जगह मिली है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत पाक के खिलाफ ही एजबेस्टन में 14 जून को करेगी। टूर्नामेंट के मैच इस साल 12 जून से 5 जुलाई तक इंग्लैंड और वेल्स के अलग-अलग जगहों पर खेले जाएंगे।

कार्यक्रम घोषित

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को टूर्नामेंट का पूरा कार्यक्रम घोषित कर दिया। टूर्नामेंट का आगाज मैच 12 जून को एजबेस्टन में इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत का मैच ग्रुप चरण का आखिरी मुकाबला होगा। ग्रुप सह नॉकआउट प्रारूप वाले टूर्नामेंट में 12 टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी जो 30 जून और 2 जुलाई को खेले जाएंगे। विजेता टीमें 5 जुलाई को लॉर्ड्स में खिताब के लिए भिड़ेंगी।

ग्रुप ए : ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नीदरलैंड्स

ग्रुप बी : वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड

खिताब बचाने उतरेगा न्यूजीलैंड

चैंपियन न्यूजीलैंड 13 जून को साउथम्प्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ खिताब बचाने के अभियान की शुरुआत करेगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया उसी दिन मैनचेस्टर में 2024 के फाइनलिस्ट दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेंगे। 20 जून को हेडिंग्ले में इंग्लैंड और स्कॉटलैंड का मैच होगा। यह पहली बार है जब दोनों टीमें इंग्लिश जमीन पर किसी विश्व कप (पुरुष या महिला) में भिड़ेंगी। आयरलैंड और स्कॉटलैंड 13 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड में भिड़ेंगे।

अरुंधति की टी-20 रैंकिंग में पांच स्थान की छलांग

दुबई। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीमों की सीरीज के बाद आईसीसी महिला टी-20 रैंकिंग में भारत की तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ने पांच स्थान की छलांग लगाई है। मंगलवार को जारी ताजा सूची में वह 11वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वह सीरीज में आठ विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं। उनकी साथी श्री चरणी को भी फायदा हुआ और वह भी 11 स्थान ऊपर चढ़कर 26वें स्थान पर पहुंच गईं। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में, एनाबेल सदरलैंड दो स्थान चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गईं, जबकि एश्ले गार्डनर दो स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गईं। पाक की सादिया इकबाल शीर्ष पर बरकरार हैं।

बॉलीवुड

'कल्कि 2' की शूटिंग में जुटे अमिताभ बच्चन

साउथ सुपरस्टार प्रभास की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब इसके सीक्वल 'कल्कि 2' का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। इस फिल्म में महानायक अमिताभ बच्चन दोबारा मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। हाल ही में अपने व्लॉग में अमिताभ बच्चन ने बताया कि वह पिछले दिनों हैदराबाद में शूटिंग के लिए व्यस्त थे, इस कारण वह फैंस से मुलाकात नहीं कर पाए। अमिताभ ने 24 फरवरी को अपने व्लॉग में बताया कि 'कल्कि 2' की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इस दौरान उन्होंने साउथ के दिग्गज अभिनेता कमल हसन से भी मुलाकात की। व्लॉग में उन्होंने लिखा कि उन्होंने फैंस को पहले ही बता दिया था कि रविवार को उनसे मुलाकात नहीं कर पाएंगे, लेकिन इसके बावजूद उनके कई फैंस आए। अमिताभ हर रविवार अपने घर के बाहर फैंस से मिलने का रिवाज निभाते हैं। फिल्म के सेट से अमिताभ ने कुछ तस्वीरें भी शेयर कीं, जिनमें वह अश्वत्थामा के रूप में नजर आए, वही किरदार जो उन्होंने 'कल्कि 2898 एडी' में निभाया था। इन तस्वीरों में सह-कलाकार कमल हसन के साथ अनौपचारिक पल भी देखने को मिला। फिल्म के बारे में यह भी चर्चा है कि पिछले साल नाग अश्विन के निर्देशन में बनाई जा रही इस सीक्वल में दीपिका पादुकोण नहीं होंगी और उनकी जगह साई पल्लवी का नाम सामने आ रहा है।

'सूबेदार' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

अनिल कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सूबेदार' का ट्रेलर रिलीज होते ही चर्चा में आ गया है। यह फिल्म सिनेमाघरों के बजाय सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर 5 मार्च 2026 को स्ट्रीम होगी। करीब 172 सेकेंड के ट्रेलर में हाई वॉयलेंस और दमदार एक्शन की झलक देखने को मिलती है। कहानी गैंगस्टर्स की दुनिया के इर्द-गिर्द घूमती नजर आती है, जिसमें एक रिटायर्ड फौजी के किरदार में अनिल कपूर इंटेंस अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। ट्रेलर की शुरुआत में मोना सिंह के दमदार किरदार की एंट्री कराई गई है, जिनके सीमित लेकिन प्रभावशाली दृश्यों ने उत्सुकता बढ़ा दी है। इसके बाद सौरभ शुक्ला, आदित्य रावल, राधिका मदान और फैसल मलिक जैसे कलाकारों की झलक मिलती है। ट्रेलर कहानी के बारे में ज्यादा खुलासा नहीं करता बल्कि किरदारों के जरिए सस्पेंस और माहौल तैयार करता है। फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेनी ने किया है, जबकि निर्माण विक्रम मल्होत्रा और अनिल कपूर ने किया है। ट्रेलर पर दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई प्रशंसकों ने इसे अभिनेता का दमदार कमबैक बताया है, तो कुछ ने इसकी तुलना हालिया हिंसक ट्रेंड वाली फिल्मों से करते हुए सराहना की है। अब रिलीज के बाद दर्शकों की अंतिम प्रतिक्रिया पर नजर रहेगी।

'भूत बंगला' से सामने आया अक्षय कुमार का लुक

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सुर्खियों में हैं। हॉरर-कॉमेडी जॉनर में वापसी करते हुए अक्षय एक बार फिर दर्शकों को डर और हंसी का अनोखा मिश्रण देने के लिए तैयार हैं। फिल्म का पहला मोशन पोस्टर जारी कर दिया गया है, जिसने रिलीज से पहले ही उत्सुकता बढ़ा दी है। इस मोशन पोस्टर को निर्देशक प्रियदर्शन ने शेयर किया है, जिसमें अक्षय कुमार का बेहद अलग और रहस्यमयी अंदाज देखने को मिल रहा है। पोस्टर में अक्षय एक डरावने सिंहासन पर बैठे नजर आ रहे हैं। उन्होंने काला चश्मा पहना हुआ है और गले व हाथों में कई रुद्राक्ष की मालाएं धारण की हुई हैं। शर्टलेस अवतार में उनका लुक किसी तांत्रिक जैसा प्रतीत होता है, जो फिल्म के रहस्य और रोमांच को और बढ़ाता है। गौरतलब है कि अक्षय इससे पहले भूल भुलैया में अपने कॉमिक-हॉरर अंदाज से दर्शकों का दिल जीत चुके हैं, और अब 'भूत बंगला' से एक बार फिर उसी जॉनर में वापसी कर रहे हैं। फिल्म में अक्षय के साथ वामिका गब्बी, तब्बू और परेश रावल भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और दर्शकों को एक अलग तरह का सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है।

नेटफ्लिक्स ने किया 'मेड इन कोरिया' की रिलीज डेट का ऐलान

नेटफ्लिक्स अपने दर्शकों को एक अनोखे और रोमांचक सफर पर ले जाने वाला है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने घोषणा की है कि तमिल भाषा की फिल्म 'मेड इन कोरिया' ओटीटी पर प्रीमियर करेगी। यह फिल्म न सिर्फ छोटे शहर के सपनों की कहानी है, बल्कि इसमें साउथ कोरिया की जीवंत संस्कृति और एनर्जी को भी खूबसूरती से पेश किया गया है। फिल्म की कहानी शेनबागम या शेनबा नाम की लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जो तमिलनाडु के एक छोटे शहर की रहने वाली है और जिसका सपना सियोल घूमने का है। शुरुआत में यह सफर शांत और रोमांचक लगता है, लेकिन जैसे-जैसे शेनबा सियोल की हलचल भरी गलियों में कदम रखती है, उसे कई चुनौतियों और नए अनुभवों का सामना करना पड़ता है।

अब 'केरल' नहीं, कहिए 'केरलम'

कैबिनेट ने केरल राज्य के नाम को बदलकर 'केरलम' करने को दी मंजूरी

एजेंसी । नई दिल्ली

केरल राज्य का नाम बदल दिया गया है। अब उसे केरलम कहा जाएगा। केंद्र सरकार ने मंगलवार को 'सेवा तीर्थ' (नया प्रधानमंत्री कार्यालय) में पहली केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया है। नाम बदलने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री पिनरई विजयन की सरकार ने केंद्र को भेजा था, जिस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में फैसला लिया गया। अब इसे संसद के दोनों सदनों में भेजा जाएगा, जहां से पारित होने के बाद अधिसूचना जारी होगी।

चुनाव से पहले बदलेगा नाम?

केरल समेत 5 राज्यों में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव की घोषणा अप्रैल-मई में हो सकती है, जिससे पहले नाम बदलने के प्रस्ताव को संसद से मंजूरी मिलने की संभावना है। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होगा, जो 2 अप्रैल तक चलेगा। इस बीच करीब 30 बैठकें होंगी और कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा की जाएगी। संभावना है कि इसी सत्र में नाम बदलने का प्रस्ताव लाकर पास कराया जाएगा।

केरल में 2 बार लाया गया था प्रस्ताव

केरल नाम बदलने का प्रस्ताव 2023 और 2024 में लाया गया और दोनों बार पारित हुआ। हालांकि, 2023 का प्रस्ताव स्थगित हुआ था। मुख्यमंत्री विजयन ने इसका कारण बताते हुए कहा था कि पहले प्रस्ताव में पहली अनुसूची और संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध सभी भाषाओं में बदलाव की मांग की गई थी। फिर, जांच करने पर पता चला कि सुधार केरल से केरलम में केवल प्रस्ताव की पहली अनुसूची में किया था। इसलिए, नया प्रस्ताव पारित किया गया।

जून 2024 में पारित हुआ था नाम बदलने का प्रस्ताव

केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने संविधान के अनुच्छेद-3 के तहत राज्य का नाम बदलकर प्रथम अनुसूची में 'केरलम' करने के लिए उपाय करने का प्रस्ताव पेश किया था, जिसे जून 2024 में पारित किया गया। उनका कहना है कि 'केरलम' मलयालम में उपयोग होता है और राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही मलयालम भाषी समुदायों के लिए यह मांग प्रमुख रही है। प्रस्ताव पर केरल में पक्ष और विपक्ष दोनों सहमत हैं।

पश्चिम बंगाल का नाम बदलने पर हो चुकी है आपत्ति

केरल से पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 2018 में राज्य का नाम सिर्फ 'बांग्ला' करने का प्रस्ताव दे चुकी हैं, लेकिन विदेश मंत्रालय ने 'बांग्लादेश' से इसकी समानता को लेकर चिंता जताई, जिसके बाद इसे पारित नहीं किया गया था।

राष्ट्रपति के मुहर लगते ही बदलेगा कागजों में नाम

किसी राज्य का नाम बदलने की प्रक्रिया लंबी और संवैधानिक है। पहले राज्य की विधानसभा में नाम बदलने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित होना जरूरी है। इसके बाद इसे गृह मंत्रालय को भेजा जाएगा, जो सभी मंत्रालयों से अनापत्ति प्रमाणपत्र लेगी। फिर केंद्रीय कैबिनेट में प्रस्ताव भेजा जाएगा, जहां हरी झंडी मिलने पर इसे संसद के दोनों सदनों में रखा जाएगा। संसद में पारित होने के बाद राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होते हैं और अधिसूचना जारी कर नाम बदला जाता है।

भाजपा के केरल अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को दिया था समर्थन

केरल के नाम बदलने के प्रस्ताव पर सत्ता पक्ष वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (LDF) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (UDF) में कोई विवाद नहीं था। भाजपा ने भी इसका समर्थन किया था। इस साल जनवरी में केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने मुख्यमंत्री विजयन को पत्र लिखकर प्रस्ताव पर अपना समर्थन जताया था और मुख्यमंत्री के फैसले की प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा कि 'केरलम' राज्य का इतिहास, भाषा और जड़ों को दर्शाता है और विरासत का सम्मान करता है।

केरल नाम का क्या अर्थ है?

केरल नाम की उत्पत्ति को लेकर कई सिद्धांत देखने को मिलते हैं। सबसे प्राचीन संदर्भ अशोक के 257 ईसा पूर्व में द्वितीय शिलालेख में मिलता है। इसमें केरलपुत्र (केरल का पुत्र) का उल्लेख है। इसे चेरा राजवंश के संदर्भ में कहा जाता है। कुछ विद्वान केरलम शब्द को चेरम से जोड़ते हैं, जो कन्नड़ रूप है। मूल शब्द ₹चेर₹ का अर्थ ₹जोड़ना₹ से निकालते हैं और यह ₹चेरालम₹ शब्द में आता है, जिसमें ₹अलम₹ भूमि या क्षेत्र होता है।

कैबिनेट मीटिंग के अन्य 7 बड़े फैसले

- गोहडिया-जबलपुर की रेल लाइन डबलिंग के लिए 5236 करोड़ रुपये।
- पुनारख-किउल की तीसरी-चौथी रेल लाइन के लिए 2668 करोड़ रुपये।
- गम्हरिया-चांदील की तीसरी-चौथी रेल लाइन के लिए 1168 करोड़ रुपये।
- श्रीनगर में नया इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट टर्मिनल के लिए 1667 करोड़ रुपये।
- अहमदाबाद मेट्रो के फेज 2B के एक्सटेंशन के लिए 1067 करोड़ रुपये।
- कच्चा जूट की एमएसपी के लिए 430 करोड़ रुपये।
- पावर सेक्टर में रिफॉर्स की मंजूरी।

न्यूज़ ब्रीफ

आंध्र प्रदेश में जहरीले दूध से चार की मौत

राजमहेंद्रवरम। आंध्र प्रदेश के राजमहेंद्रवरम में कथित रूप से दूषित दूध पीने से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य बीमार अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस को शक है कि दूध में फ्रीजर के केमिकल कूलेंट का रिसाव हो गया था। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दूषित दूध पीने से पीड़ितों के गुर्दे अचानक काम करना बंद कर गए, जिससे पेशाब रुक गया और उनकी मौत हो गई। पूर्वी गोदावरी जिले के पुलिस अधीक्षक डी. नरसिम्हा किशोर ने बताया कि दूध एक विक्रेता के घर में रखे फ्रीजर में जमा किया गया था।

जयललिता एक करिश्माई नेता और बेहतरीन प्रशासक थी : मोदी

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता की 78वीं जन्म जयंती पर श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें मजबूत इरादों और हिम्मत वाली नेता बताया। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि जयललिता ने एक करिश्माई नेता और बेहतरीन प्रशासक के तौर पर लोगों के दिलों में जगह बनाई। मोदी ने कहा कि तमिलनाडु की मुख्यमंत्री के तौर पर उन्होंने महिला सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और सबको साथ लेकर चलने वाले विकास पर खास ध्यान देते हुए जनकल्याणकारी शासन को आगे बढ़ाया। इसके अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, एआईएडीएमके महासचिव एके पलानीस्वामी, पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन समेत अन्य नेताओं ने श्रद्धांजलि व्यक्त की।

एआई के दुरुपयोग संबंधी याचिका पर केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली। गुजरात हाईकोर्ट ने संवैधानिक अधिकारियों को निशाना बनाने वाली डीपफेक और फर्जी सामग्री तैयार करने के लिए एआई के दुरुपयोग से जुड़ी एक जनहित याचिका पर केंद्र और राज्य सरकार को मंगलवार को नोटिस जारी किए। मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति डी.एन. रे की खंडपीठ ने गुजरात के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को मामले में जवाब दाखिल करने का भी निर्देश दिया। मेटा, गूगल, 'एक्स', रेडिट और स्क्रिब्ड जैसे मध्यस्थ मंचों को नोटिस जारी किए जाने से जुड़े मुद्दे पर सरकारों से जवाब मिलने के बाद विचार किया जाएगा। अधिवक्ता विकास विजय नायर की ओर से दायर जनहित याचिका में संवैधानिक और वैधानिक अधिकारियों के खिलाफ फर्जी तस्वीरें और वीडियो बनाने में एआई का दुरुपयोग रोकने के लिए कानून में सुधार और नियामक दिशा-निर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया है।

प्रदूषित नदियों से जुड़े मामले को सुप्रीम कोर्ट ने किया बंद

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रदूषण मुक्त जल के अधिकार को मौलिक अधिकार मानते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को प्रदूषित नदियों से जुड़ी 2021 की अपनी स्वतः संज्ञान कार्यवाही को समाप्त कर दिया। अदालत ने राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) की प्रधान पीठ को मामले को फिर से खोलने और निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने शुरुआत में 13 जनवरी, 2021 के उस आदेश पर सवाल उठाया, जिसमें नदियों में दूषित जल के प्रदूषण का स्वतः संज्ञान लेते हुए समानांतर कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया गया था। जबकि नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) पहले से ही इसी तरह के मामले पर विचार कर रहा था। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा, 'क्या इस अदालत के लिए सभी प्रदूषित नदियों का जायजा लेना संभव है? हम एक-एक करके देख सकते हैं। हम इतने सारे मामलों पर सुनवाई करते हैं और निर्देश जारी करते हैं।

एनजीटी को दिए मामले की निगरानी के निर्देश

दोनों पक्षों की बात कुछ समय तक सुनने के बाद पीठ ने एनजीटी को मामले को फिर से खोलने का निर्देश दिया। इस बात पर जोर देते हुए कि नदियों को बचाने के लिए आवश्यक निरंतर निगरानी के लिए एक विशेष निकाय बेहतर रूप से सुसज्जित है।

लोकायन-26 मिशन के तहत आईएनएस सुदर्शिनी मिस्र से रवाना

सफागा : भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शिनी 23 फरवरी को सफागा से अपने जारी वैश्विक अभियान लोकायन-26 के तहत अगले चरण के लिए रवाना हो गया। 20 जनवरी 2026 को 'लोकायन 26' नामक 10 महीने का एक प्रमुख वैश्विक समुद्री अभियान शुरू किया है। यह जहाज कोच्चि से रवाना होकर 13 देशों के 18 बंदरगाहों पर जाएगा और लगभग 22,000 नॉटिकल मील की दूरी तय करेगा। आईएनएस सुदर्शिनी को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने तैयार किया है। यह कोच्चि स्थित सदर्न नेवी कमान के अधीन है। मिस्र के साथ समुद्री सहयोग बढ़ाने पर जोर जहाज ने सलालाह से सफागा तक 16 दिनों में 1,832 समुद्री मील की दूरी तय की, जिसे चालक दल के धैर्य, आत्मविश्वास और सहनशक्ति का महत्वपूर्ण पड़ाव माना गया।

शिक्षक भर्ती मामले में बिभास अधिकारी को ईडी ने किया तलब

एजेंसी । कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल में प्राथमिक विद्यालय शिक्षक भर्ती मामले में बिभास अधिकारी को तलब किया है। एजेंसी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बिभास अधिकारी तृणमूल कांग्रेस के विधायक माणिक भट्टाचार्य के करीबी सहयोगी हैं, जिन्हें प्राथमिक स्तर पर शिक्षक भर्ती घोटाले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किया गया था। भट्टाचार्य फिलहाल जमानत पर बाहर हैं, जो उन्हें कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 2024 में प्रदान की थी। गौरतलब है कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के साथ-साथ ईडी भी शिक्षक भर्ती मामले की जांच कर रही है।

माणिक भट्टाचार्य के करीबी हैं बिभास अधिकारी

सीबीआई ने भी बिभास अधिकारी को कई बार तलब किया था। अदालत में भर्ती मामले में बिभास के खिलाफ आरोपपत्र भी दाखिल कर दिया गया है। इस बार ईडी ने उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया है। पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष और तृणमूल विधायक माणिक भट्टाचार्य की गिरफ्तारी के बाद भर्ती मामले में बीरभूम जिले के नलहाटी के ब्लॉक-II के पूर्व तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष बिभास भी शामिल थे। उन्हें माणिक के 'घनिष्ठ मित्र' के रूप में जाना जाता था।

बीजेपी में शामिल हुईं पूर्व केपीसीसी महासचिव

एजेंसी । कोच्चि

पूर्व केपीसीसी महासचिव वत्सला प्रसन्नकुमार मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गईं। तिरुवनंतपुरम स्थित बीजेपी राज्य मुख्यालय में पार्टी स्टेट प्रेसिडेंट राजीव चंद्रशेखर ने उन्हें पार्टी में औपचारिक रूप से शामिल कराया। चंद्रशेखर ने उन्हें पार्टी का शॉल पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता जैसे राज्य महासचिव एस सुरेश और एनडीए उपाध्यक्ष एएन राधाकृष्णन भी उपस्थित थे। वत्सला प्रसन्नकुमार एर्नाकुलम जिले के उत्तर परवूर से हैं, जो विपक्ष के नेता वीडी सतीशन का गढ़ माना जाता है। वत्सला प्रसन्नकुमार पहले परवूर नगर पालिका की अध्यक्ष रह चुकी हैं और कांग्रेस में काफी सक्रिय भूमिका निभाई है। उनकी यह पार्टी बदलने की घटना केरल की राजनीति में एक अहम बदलाव के रूप में देखी जा रही है।

एआई समिट हंगामा

4 दिन हिरासत में आईवाईसी प्रेसिडेंट उदय भानु

- गिरफ्तारी मोदी की सनक का नतीजा: कांग्रेस
- मुझे युवा कांग्रेस के अपने बब्बर शेर साथियों पर गर्व : राहुल गांधी

एजेंसी । नई दिल्ली

एआई इम्पैक्ट समिट हंगामा मामले में इंडियन यूथ कांग्रेस (IYC) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 4 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा है। उन्हें आज सुबह तिलक मार्ग थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने 7 दिन की रिमांड मांगी थी और आरोप लगाया कि चिब ही घटना के मास्टरमाइंड हैं। प्रदर्शनकारी उनके निर्देश पर भारत मंडपम में आयोजित समिट में घुसे थे। चिब ने ही उनको लॉजिस्टिक हेल्प की थी।

शांतिपूर्ण विरोध हमारी धरोहर : राहुल

कांग्रेस ने पार्टी की युवा इकाई के अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी को तानाशाही, कायरता और लोकतंत्र की हत्या करार दिया है। पार्टी ने कहा है कि वह सरकार के ऐसे कदमों से डरने वाली नहीं है। सत्ता को सच का आईना दिखाना अपराध नहीं, देश भक्ति है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि शांतिपूर्ण विरोध हमारी ऐतिहासिक धरोहर है। यह हमारे खून में है और हर भारतीय का लोकतांत्रिक अधिकार है।

सुप्रीम कोर्ट ने केरल सरकार को दी बड़ी राहत

'नवा केरल सर्वेक्षण' पर हाईकोर्ट की रोक हटाई

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने केरल सरकार को राहत देते हुए मंगलवार को केरल हाईकोर्ट के उस अंतरिम आदेश पर रोक लगा दी जिसमें राज्य के प्रस्तावित 'नवा केरल सर्वेक्षण' को रोक दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद सरकार को इस कार्य को आगे बढ़ाने की अनुमति मिल गई। मामले की अगली सुनवाई 13 अप्रैल को होगी। पिछले हफ्ते हाईकोर्ट ने केरल छात्र संघ (केएसयू) के नेताओं की ओर से दायर याचिकाओं के बाद सर्वेक्षण पर रोक लगा दी थी, जिन्होंने आरोप लगाया था कि चुनावों से पहले चलाया गया डाटा संग्रह अभियान सार्वजनिक धन से वित्त पोषित एक राजनीतिक रूप से प्रेरित अभियान था।

हाईकोर्ट ने किया था रद्द

केरल हाईकोर्ट ने 'नवा केरल सर्वेक्षण' को गैरकानूनी बताते हुए रद्द कर दिया था और इसके वित्तपोषण और क्रियान्वयन पर सवाल उठाए। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि इस कार्यक्रम के लिए न तो उचित बजट आवंटन किया गया था और न ही वित्तीय स्वीकृति दी गई थी।केरल हाईकोर्ट के स्थगन आदेश को चुनौती देते हुए राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी।

प्यू रिसर्च की रिलीजियस लैंडस्केप स्टडी से मिली जानकारी

हिंदू अमेरिका का सबसे ज्यादा पढ़ा-लिखा धार्मिक समुदाय

एजेंसी । वॉशिंगटन

वॉशिंगटन स्थित मशहूर ग्लोबल थिंक टैंक प्यू रिसर्च सेंटर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में रहने वाला हिंदू समुदाय अब वहां का सबसे अधिक शिक्षित धार्मिक समूह बन गया है। इस मामले में हिंदुओं ने पारंपरिक रूप से सबसे शिक्षित माने जाने वाले यहूदी समुदाय को भी पीछे छोड़ दिया है। यह निष्कर्ष न केवल उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों को दर्शाता है, बल्कि अमेरिकी समाज और अर्थव्यवस्था में उनकी मजबूत भागीदारी को भी रेखांकित करता है।

रिलीजियस लैंडस्केप स्टडी के आंकड़े

19 फरवरी को जारी रिलीजियस लैंडस्केप स्टडी (RLS) ने अमेरिकी धार्मिक समुदायों की शिक्षा संबंधी स्थिति की नई तस्वीर पेश की है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में रहने वाले 70 प्रतिशत हिंदुओं के पास बैचलर डिग्री या उससे उच्च शिक्षा है।

राष्ट्रीय औसत से दोगुनी उपलब्धि

अगर इस आंकड़े की तुलना अमेरिका के राष्ट्रीय औसत से की जाए तो अंतर और भी स्पष्ट हो जाता है। पूरे अमेरिका में केवल 35 प्रतिशत वयस्कों के पास कॉलेज स्तर की डिग्री है, जबकि हिंदू समुदाय में यह संख्या 70 प्रतिशत तक पहुंचती है। यानी हिंदुओं की शैक्षणिक उपलब्धि राष्ट्रीय औसत से लगभग दोगुनी है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि मुस्लिम, बौद्ध और ऑर्थोडॉक्स क्रिश्चियन समुदायों में भी शिक्षा का स्तर राष्ट्रीय औसत से ऊपर है।